Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 318 | सोमवार, 23 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

यूपी में एक्सप्रेसवे और विकास परियोजनाओं को तय समय में पूरा करें: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को राज्य में जारी और प्रस्तावित एक्सप्रेसवे, औद्योगिक तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को दी जाने वाली सुविधाओं, प्रोत्साहन और सब्सिडी का लाभ सीधे स्थानीय युवाओं और निवासियों तक पहुंचना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने राज्य परिवर्तन आयोग की बैठक में विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल तैयार किया गया है और ऐसे में निवेश के माध्यम से सृजित होने वाले रोजगार के अवसरों का लाभ राज्य के युवाओं को मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उन्होंने 88 विभागों में कार्यरत तीन लाख 10 हजार 437 आउटसोर्स कर्मचारियों के भुगतान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नई भुगतान व्यवस्था के तहत बढ़ा हुआ पारिश्रमिक सभी कर्मचारियों को समय पर और पूरा मिले। योगी ने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बयान के अनुसार, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे की निविदा प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी।

वहीं, फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 91.46 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 82.98 प्रतिशत, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 86.04 प्रतिशत और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 83.45 प्रतिशत भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने मेरठ-हरिद्वार और विंध्य एक्सप्रेसवे सहित अन्य परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब की वित्तीय निविदाएं अगले दो सप्ताह में खोलने और लॉजिस्टिक्स पार्क के निर्माण कार्य में तेजी लाने को भी कहा।

आपदा से निपटने को हर जिले में तैयार होंगे प्रशिक्षित नागरिक: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा, दुर्घटना या राष्ट्र के सामने किसी भी प्रकार का संकट आने पर नागरिक किंकर्तव्यविमूढ़ न रहें, बल्कि प्रशिक्षित और जागरूक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इसके लिए प्रदेश में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। आपदा कभी बताकर नहीं आती और न ही कोई तिथि देखकर आती है। प्रत्येक नागरिक को संकट की परिस्थितियों से निपटने के लिए सजग, सतर्क और प्रशिक्षित रहना आवश्यक है। आपदा के समय सही निर्णय, समय पर सूचना और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया अनेक लोगों की जान बचा सकती है। किसी भी संकट की स्थिति में एक जागरूक नागरिक फर्स्ट रिस्पॉन्डर (प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता) की भूमिका निभा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि वह साहसी होने के साथ अनुशासित और उचित प्रशिक्षण प्राप्त हो। नागरिक सुरक्षा की कार्यपद्धति के पीछे समाज और राष्ट्र के प्रति निष्काम सेवा तथा समर्पण की भावना होनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के अपने सामाजिक और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करता है, तभी वह प्राकृतिक आपदा, मानवीय संकट या किसी अन्य विपत्ति के समय प्रभावी भूमिका निभा सकता है। ये बातें मुख्यमंत्री ने रविवार को लखनऊ रिजर्व पुलिस लाइंस में आयोजित एयर रेड-ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज-26 के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद देश में आम नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन किया गया था।

पीएम मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह, सीमा विवाद से लेकर बिजली तक होगी बात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आए बालेंद्र शाह की मार्च 2026 में पद संभालने के बाद यह पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। भारत दौरे के दौरान सोमवार को बालेंद्र शाह की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होगी। नई दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। इस बैठक में ऊर्जा, जलविद्युत, रेलवे, सड़क संपर्क और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों पर खास तौर पर चर्चा होगी। इसके अलावा नेपाल में चल रही कई परियोजनाओं का दोनों नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कर सकते हैं। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अहम समझौतों और दस्तावेजों का आदान-प्रदान होने की भी संभावना है।

ऊर्जा और जलविद्युत पर रहेगा खास जोर

भारत और नेपाल के बीच ऊर्जा के क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग चल रहा है। दोनों देश बिजली उत्पादन और आपूर्ति को लेकर अपनी साझेदारी को और मजबूत करना चाहते हैं। नेपाल ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत को बिजली बेचकर करीब 1,800 करोड़ नेपाली रुपये कमाए। भारत नेपाल के लिए बिजली का एक बड़ा बाजार है। दोनों देशों के बीच लंबे समय के लिए बिजली आपूर्ति का समझौता भी इस साझेदारी का अहम हिस्सा है।

रक्सौल-काठमांडू रेल परियोजना पर भी होगी चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी और बालेंद्र शाह की बैठक में सीमा पार रेल और सड़क संपर्क को बेहतर बनाने पर भी बात हो सकती है। दोनों देश रक्सौल-काठमांडू रेल लिंक जैसी परियोजनाओं की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इस रेल परियोजना से दोनों देशों के बीच यात्रियों की आवाजाही आसान हो सकती है। साथ ही सामान की ढुलाई के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे।

भाजपा-आरएसएस को नहीं है भारतीय आध्यात्मिक, धार्मिक परंपराओं की समझ: राहुल गांधी



नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर सीधा हमला करते कहा है कि इन दोनों संगठनों को भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की समझ नहीं है। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं में वह जितनी गहराई से जा रहे हैं, उन्हें यह बात उतनी ही स्पष्ट होती जा रही है। भाजपा आरएसएस को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताते हुए उन्होंने कहा कि वह जिस गहराई के साथ भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का अध्ययन कर रहे हैं उससे उन्हें स्पष्ट हो गया है कि भाजपा-आरएसएस को इसकी समझ नहीं है।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर अखिलेश ने खोले वादों के पिटारे, छात्रों से लेकर मेडिकल कर्मचारियों तक के लिए ऐलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

देहरादून। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने में जुटे हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कई बड़े वादे किए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान फिर से शुरू किया जाएगा। इसके साथ मिलने वाला मासिक मानदेय भी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये किया जाएगा।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा कार्यालय में हुआ सुंदरकांड

रविवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। इस मौके पर सुंदरकांड का पाठ भी किया गया।



कार्यक्रम के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी हमेशा मुश्किल समय में लोगों के साथ खड़े रहते थे। उन्होंने जरूरतमंदों की मदद की और प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। अखिलेश ने अपनी सरकार के कार्यकाल की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मेधावी छात्रों को लैपटॉप बांटना और प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित करने के लिए यश भारती पुरस्कार शुरू करना समाजवादी आंदोलन की सोच का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनने पर इन योजनाओं को फिर से आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने अलग-अलग संस्थानों के मेधावी छात्रों को लैपटॉप भी बांटे। उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, 'लैपटॉप केवल एक साधन है, असली सफलता मेहनत और दृढ़ संकल्प से मिलती है।'

लखनऊ की लॉ यूनिवर्सिटी को देश के बड़े संस्थानों में शामिल करने का वादा

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर लखनऊ की लॉ यूनिवर्सिटी को देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल करने के लिए जरूरी बजट और सुविधाएं दी जाएंगी। छात्राओं के लिए बेहतर और सुरक्षित हॉस्टल बनाए जाएंगे। उनका लक्ष्य विश्वविद्यालय में दुनिया के स्तर की सुविधाएं विकसित करना होगा। चिकित्सा संस्थानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सपा सरकार ने किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, राम मनोहर लोहिया संस्थान और सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में चिकित्सा कर्मचारियों को संजय गांधी पीजीआई के समान सुविधाएं दी थीं।

कोटा-उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण हादसा, खाटू श्यामजी से लौट रहे परिवार के 9 लोगों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। राजस्थान में कोटा-उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर रात एक बहुउद्देशीय वाहन (एमयूवी) ने सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे खाटू श्यामजी मंदिर में दर्शन कर लौट रहे एक परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा देर रात एक बजे उस समय हुआ, जब ये लोग महाराष्ट्र के धुले जिले स्थित अपने घर लौट रहे थे।

पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि हादसे में बच्चों और महिलाओं समेत नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा आठ अन्य लोग घायल हो गए। वाहन में दो भाइयों, उनकी पत्नियों और बच्चों समेत एक परिवार के 16 सदस्य सवार थे। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, वाहन चालक को वाहन चलाते समय संभवत: झपकी लग गई थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक जताया।

प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

परिवार के एक सदस्य प्रदीप ने बताया कि धुले से 36 रिश्तेदारों का एक समूह 17 नवंबर को तीन बहुउद्देशीय वाहनों में सवार होकर ओंकारेश्वर, उज्जैन, सांवरिया सेठ, पुष्कर, सालासर बालाजी और अंत में खाटू श्यामजी के दर्शन करने गया था।

यह समूह शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे खाटू श्यामजी से रवाना हुआ था। परिवार के एक अन्य सदस्य नंदकिशोर ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हुआ वाहन अन्य दोनों वाहनों से आगे निकल गया था और हादसे के समय वह उनसे करीब 40 से 45 किलोमीटर आगे था। नंदकिशोर ने कहा कि वाहन में दो भाई बाबूलाल और सज्जन तथा उनकी पत्नियां एवं बच्चे सवार थे।

प्रदीप ने बताया कि देर रात करीब एक बजे उनके पास वाहन में सवार उनकी रिश्तेदार मयूरी पंवार का फोन आया। अन्य दोनों वाहनों में सवार रिश्तेदार जब तक घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक पुलिस अधिकतर शवों को अस्पताल पहुंचा चुकी थी और तीन शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त वाहन में अब भी फंसे हुए थे। ट्रक चालक हारून ने संवाददाताओं को बताया कि उसने ट्रक में आई खराबी की जांच करने के लिए उसे सड़क किनारे खड़ा किया था और वह उससे कुछ दूरी पर खड़ा था, तभी तेज रफ्तार वाहन ने ट्रक को टक्कर मार दी।

पुलिस उपाधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि ट्रक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। मृतकों की पहचान उषा (60), सुशीला (65), कैलाश (45), जानवी (छह), सज्जन (60), अनीता (40), बाबूलाल (60), जानवी (13) और माधवी (45) के रूप में हुई है।

'सौ सीटों से कम पर समझौता नहीं होगा'

उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे पर कांग्रेस-सपा में खींचतान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे के मुद्दे पर खींचतान शुरू हो गई है। सोमवार को दिल्ली में उत्तर प्रदेश चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों के नेताओं की बैठक होने जा रही है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' को मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस ने 181 सीटों (कुल विधानसभा सीटों का 45%) की सूची सौंपी है लेकिन समाजवादी पार्टी इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने के लिए तैयार नहीं है।

समाजवादी पार्टी का तर्क है कि राज्य के पिछले कुछ विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उत्तर प्रदेश में कुल 403 विधानसभा सीटें हैं।

राज्य में पिछले छह विधानसभा चुनावों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि कांग्रेस ने हर चुनाव में औसतन 298 सीटों पर चुनाव लड़ा जिनमें से उसने 19 सीटें जीतीं और उसका औसत वोट शेयर 7.69% रहा।



2017 में साथ आए सपा-कांग्रेस

2017 में सपा और कांग्रेस मिलकर विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरे। सपा-कांग्रेस गठबंधन ने 'यूपी को ये साथ पसंद है' जैसे नारों के साथ प्रचार किया और अखिलेश तथा राहुल गांधी को 'यूपी के लड़के' के रूप में पेश किया।

कांग्रेस का सबसे अच्छा प्रदर्शन 1996 में रहा था, जब उसने मुस्लिम और दलित वोटों को एकजुट करने के लिए मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के साथ गठबंधन किया था।

उस चुनाव में कांग्रेस ने 126 सीटों पर चुनाव लड़ा था, 33 सीटें जीतीं और 8.35% वोट शेयर हासिल किए। बीएसपी ने 296 सीटों पर चुनाव लड़ा, 67 सीटें जीतीं और 19.64% वोट शेयर हासिल किया।

2002 में कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया और राज्य में 402 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। हालांकि, उसका वोट शेयर मामूली बढ़कर 8.96% हो गया लेकिन सीटों की संख्या घटकर 25 रह गई।

2012 में आरएलडी के साथ किया गठबंधन

2012 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला। राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के साथ गठबंधन करके 355 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए कांग्रेस ने 11.65% वोट शेयर के साथ 28 सीटें जीतीं। आरएलडी ने 46 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें से 9 जीतीं और उसे 2.33% वोट मिले। 2012 में समाजवादी पार्टी को बहुमत मिला और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने।

गठबंधन को मिली 54 सीटें

सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा। इस गठबंधन को कुल मिलाकर केवल 54 सीटें ही मिलीं। इसमें सपा को 47 और कांग्रेस को 7 सीटें मिलीं। कांग्रेस का वोट शेयर गिरकर 6.25% रह गया। वहीं, बीजेपी ने 300 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में जोरदार वापसी की। 2022 के विधानसभा चुनाव में दोनों अलग-अलग मैदान में उतरे। कांग्रेस के चुनाव प्रचार की कमान पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने संभाली और उनका मुख्य नारा था झ 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं'। कांग्रेस ने 399 उम्मीदवार उतारे लेकिन वह केवल दो पर ही जीत हासिल कर सकी। कांग्रेस का वोट शेयर भी गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर- 2.33% पर आ गया।

2024 के लोकसभा चुनाव में किया शानदार प्रदर्शन

2024 के लोकसभा चुनावों में फिर दोनों साथ आए। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से सपा ने 62 और कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा। सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं। दोनों कुल मिलाकर 43 सीटें जीते जबकि 2019 में 62 सीटें जीतने वाली भाजपा सिमटकर 33 सीटों पर आ गई। यूपी के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहने के बावजूद उसने 181 विधानसभा सीटों की मांग क्यों की है? इसे लेकर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि 2024 के लोकसभा नतीजों ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027: भाजपा ने बनाया ट्रिपल एस फॉर्मूला, कानून व्यवस्था और यूसीसी बनेंगे मुख्य मुद्दे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव मुख्य रूप से कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर लड़ेगी तथा ''जीवन को बेहतर बनाने वाली'' योजनाओं के लाभार्थियों से व्यापक स्तर पर संपर्क साधेगी तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं वैचारिक मुद्दों को भी जोर-शोर से उठाएगी। जहां एक ओर भाजपा शासन के मामले में पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार से एक स्पष्ट अंतर दिखाना चाहती है, वहीं समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी चुनाव में एक अहम मुद्दा होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में कहा था कि अगर अगले साल की शुरूआत में होने वाले उप्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश मिलता है, तो वह उत्तर प्रदेश में इसे (यूसीसी) लागू करेगी।

भाजपा के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता हमारा आकलन तीन सरल चीजों के आधार पर करेगी: क्या उनकी बेटियां अंधेरा होने के बाद खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं, क्या सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में उनके घरों तक पहुंचा है, और पिछली सरकार के गुंडाराज के दिनों की तुलना में राज्य में कितना बदलाव आया है। कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और लाभार्थी नेटवर्क हमारे चुनाव अभियान के मुख्य केंद्र होंगे।'' उन्होंने बताया कि पार्टी ने अपने ''मिशन-2027'' के तहत एक ट्रिपल एस फॉर्मूला तैयार किया है – संगठन, सरकार और सहयोगी दल। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जमीनी स्तर पर काम करने, वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ताकत को मिलाकर बनाई गई एक बहुआयामी रणनीति, 2027 में उत्तर प्रदेश के लिए भाजपा की चुनावी योजना का आधार बनेगी।

सूत्र ने बताया, ''हमारा मिशन-2027 इसी ट्रिपल एस' फॉर्मूले पर आधारित है। इसके तहत, भाजपा, उसके सहयोगी दल और सरकार मिलकर काम करेंगे, ताकि लोगों की समस्याओं और शिकायतों का समाधान किया जा सके।'' सूत्रों के अनुसार, पार्टी रणनीतिकारों ने 'लाभार्थी संपर्क' और मतदाता सूची से जुड़े व्यापक अभियानों की योजना बनाई है, जिसमें डिजिटल निगरानी का भी इस्तेमाल होगा। भाजपा के एक नेता ने कहा, ''जब वे अयोध्या में चढ़ावा चोरी की बात करेंगे, तो हम उन्हें मथुरा और काशी पर उनके रुख की याद दिलाएंगे।'' सूत्रों ने बताया कि भाजपा और आरएसएस दोनों का जमीनी स्तर पर संपर्क, इस जवाबी रणनीति का तीसरा स्तंभ बनेगा। सूत्रों के अनुसार, भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रदेश में अपने 350 से अधिक कार्यकताओं को विस्तारक (अल्पकालिक क्षेत्र आयोजक) के रूप में तैनात किया है। पार्टी नेता ने कहा कि उनका मुख्य ध्यान नव मतदाता सम्मेलनों, युवा चौपालों, चाय पे चर्चा और युवा उद्यमियों के साथ संवाद के आयोजन पर होगा, साथ ही कई अन्य रचनात्मक और लक्ष्योन्मुखी कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

संपादक की कलम

वैश्विक वाताएं और वैश्विक युद्ध तथा हिंसा



ललित शर्मा
संपादक

विश्व स्तर पर अमेरिका,चीन और रूस के बीच बीजिंग में मीटिंग में बड़ी-बड़ी बातें हुई और बड़े-बड़े वायदे किए गए पर कुल मिलाकर शांति की स्थापना का कोई मार्ग नहीं निकल पाया, अमेरिका- इजरायल-ईरान युद्ध और रूस- यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है। रूस तथा यूक्रेन एक दूसरे पर निरंतर आक्रमण किया जा रहे हैं जान और माल का नुकसान भी समय की नियति बन चुका है । ऐसे में वैश्विक स्तर पर शांति की स्थापना की आशाएं धूमिल होती नजर आ रही है, किसी भी देश को किसी अन्य देश की बातों पर जरा सा भी विश्वास नहीं रह गया है इन सब के फल स्वरुप आम आदमी की मौत सस्ती हो गई और मानवता तथा संवेदना मृतप्राय हो गई है। विश्व राजनीति आज एक गहरे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है। एक ओर दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन, शांति वार्ताएं और रणनीतिक संवाद लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध, सैन्य संघर्ष और हिंसा की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जानकारों और कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बड़े मंचों पर किए जाने वाले शांति के दावे और जमीनी स्तर पर चल रहे सैन्य अभियानों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका, चीन और रूस जैसी महाशक्तियों के बीच विभिन्न स्तरों पर संवाद की प्रक्रिया जारी है। विदेश मंत्रियों से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तक की बैठकों में वैश्विक स्थिरता, परमाणु अप्रसार और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है। हालांकि, कूटनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, ये वार्ताएं अक्सर औपचारिकता और रणनीतिक लाभ लेने के प्रयासों तक ही सीमित रह जाती हैं। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा चरम पर है। संवाद के चैनल खुले रखने की सहमति के बावजूद, दोनों देशों के बीच बुनियादी अविश्वास बरकरार है। दूसरी ओर, रूस और पश्चिमी देशों के बीच संवाद लगभग ठप सा है, और जो भी सीमित संपर्क हो रहे हैं, वे किसी ठोस शांति समझौते के बजाय केवल संकट प्रबंधन तक सीमित हैं। विश्लेषकों का तर्क है कि जब तक महाशक्तियां अपने संकीर्ण भू-राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर साझा वैश्विक सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देंगी, तब तक ये बैठकें केवल सुर्खियां बटोरने का माध्यम बनी रहेंगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित 'क्वाड' (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) की बैठकों पर पूरी दुनिया की नजर रहती है। इन सम्मेलनों में समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, महत्वपूर्ण तकनीकों और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने जैसे विषयों पर व्यापक विमर्श होता है। परंतु,कई रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि क्वाड की बैठकों के बाद जारी होने वाले संयुक्त वक्तव्य अक्सर कूटनीतिक चश्मे में लिपटे होते हैं, जिनमें तत्काल और निर्णायक कार्रवाई का अभाव दिखता है। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए जिस ठोस सैन्य या आर्थिक प्रतिरोध की अपेक्षा की जाती है, वह सदस्य देशों के अलग-अलग राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं के कारण पूरी तरह आकार नहीं ले पाती। इससे यह सवाल उठता है कि क्या ये बहुपक्षीय मंच केवल प्रतीकात्मक एकजुटता दिखाने तक सीमित हैं या वे वास्तविक संकटों को टालने की क्षमता भी रखते हैं। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष वैश्विक शांति के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बना हुआ है। इजरायल और क्षेत्रीय प्रतिरोधी समूहों के बीच शुरू हुआ तनाव अब व्यापक क्षेत्रीय अस्थिरता का रूप ले चुका है, जिसमें ईरान और अमेरिका की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिका ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

बदलता मानसून, बढ़ता जलवायु संकट: भारत के भविष्य पर खतरे की दस्तक!



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता,आर्थिक विकास दर अथवातकनीकी उपलब्धियों से नहीं आँकी जाएगी,बल्कि इस बात से भी निर्धारित होगी कि वह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती के सामने अपने नागरिकों,संसाधनों और विकास की निरंतरता को कितनी प्रभावी ढंग से सुरक्षित रख पाता है।प्राकृतिक आपदाएँ अब अपवाद नहीं रहीं; वे जलवायु परिवर्तन के कारण एक नई वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही हैं। इसलिए भारत के लिए यह समय केवल परिस्थितियों का सामना करने का नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसी राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने का है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित,सक्षम और पर्यावरण-अनुकूल भारत प्रदान कर सके। आज हमारे महाराष्ट्र के गोंदिया शहर सहित छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश के अन्य सिटीयों में दिनांक 20 और 21 नवंबर 2026 को बारिश रही इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह समय की माँग है कि जलवायु परिवर्तन को केवल राज्य व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का विषय न मानकर राष्ट्रीय नीति और विकास रणनीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार को चाहिए कि आपदा प्रबंधन को केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय विकास नीति का अनिवार्य अंग बनाया जाए।प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अवसंरचना परियोजना चाहे वह राजमार्ग हो,रेलवे,स्मार्ट सिटी, औद्योगिक गलियारा, बंदरगाह या आवासीय परियोजना उसका जलवायु जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यदि विकास परियोजनाएँ संभावित प्राकृतिक जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँगी, तो भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।यह दृष्टिकोण अल्पकालिक खर्च अवश्य बढ़ाएगा,परंतु दीर्घकाल में राष्ट्र को कहीं अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से सटीकता से सक्षम बनाएगा।

साथियों,जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के उस वर्ग पर पड़ता है जिसकी आजीविका सीधे प्रकृति पर निर्भर है। भारत की बड़ी आबादी कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है। असमय वर्षा, लंबे सूखे, ओलावृष्टि और बाढ़ किसानों की मेहनत को कुछ ही घंटों में नष्ट कर देते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आय,रोजगार और महँगाई सभी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में उद्योग,परिवहन पर्यटन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होकर आर्थिक नुकसान को बढ़ाती हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बन चुका है। साथियों, स्थानीय प्रशासन की भूमिका इस परिवर्तन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।जिला प्रशासन, नगर निकाय, ग्राम पंचायतें और स्थानीय समुदाय आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति होते हैं। इसलिए प्रत्येक जिले के लिए स्थानीय भूगोल, वर्षा पैटर्न, नदी तंत्र, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों तथा शहरी जलभराव के आधार पर स्थानीय आपदा कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए डिजिटल मानचित्रण रीयल- टाइम मॉनिटरिंग और मोबाइल आधारित चेतावनी प्रणाली को गाँव-गाँव तक पहुँचाना अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। जिस प्रकार टीकाकरण या स्वच्छता अभियान जनआंदोलन बने, उसी प्रकार आपदा जागरूकता और जलवायु अनुकूलन को भी जन भागीदारी का अभियान बनाना होगा।शिक्षा इस परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम हो सकतीहै।विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार तथा सामुदायिक सेवा जैसे विषयों को व्यवहारिक रूप से शामिल किया जाना चाहिए। यदि बचपन से ही नागरिकों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और आपदा के समय सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होगी, तो भविष्य का समाज अधिक जिम्मेदार और अधिक सुरक्षित होगा। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे बड़ी लड़ाई केवल सरकारी नीतियाँ नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक ही जीत सकते हैं। साथियो, हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध संघर्ष केवल सरकारों का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।जल संरक्षण,ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, स्थानीय जल स्रोतों का संरक्षण तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली जैसे छोटे-छोटे कदम सामूहिक रूप से बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। प्रकृति के साथ संतुलित संबंध ही मानव सभ्यता की स्थायी सुरक्षा का सबसे प्रभावी मार्ग है।आज भारत एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है।एक ओर तीव्र आर्थिक विकास,आधुनिक तकनीक और वैश्विक नेतृत्व की संभावनाएँ हैं, तो दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। यदि भारत इन चुनौतियों को दूरदृष्टि, वैज्ञानिक सोच, पारदर्शी शासन, जनभागीदारी और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ अवसर में बदल देता है, तो वह आने वाले दशकों में केवल एक विकसित राष्ट्र ही नहीं, बल्कि विश्व का सबसे सशक्त आपदा-प्रतिरोधी और जलवायु-सुरक्षित लोकतंत्र बनने की दिशा में भी सटिका से अग्रसर होगा। साथियों, इस चुनौती का समाधान केवल सरकारों के पास नहीं है। निजी क्षेत्र और उद्योग जगत की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।उद्योगों को पर्यावरणीय मानकों का कठोर पालन, हरित ऊर्जा का उपयोग,कार्बन उत्सर्जन में कमी, जल संरक्षण और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से स्थानीय आपदा-प्रतिरोधी अवसंरचना के निर्माण में योगदान देना चाहिए,उद्योगों को हरित प्रौद्योगिकी अपनानी होगी, शहरों को प्राकृतिक जलनिकासी मार्गों का संरक्षण करना होगा, किसानों को जलवायु -अनुकूल कृषि पद्धतियाँ अपनानी होंगी और प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण,वृक्षारोपण, ऊर्जा बचत तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे प्रभावी लड़ाई जनभागीदारी से ही जीती जा सकती है।आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर विकसित भारत का लक्ष्य है, तो दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती। यदि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाता है, वैज्ञानिक सोच को नीति का आधार बनाया जाता है और आपदा प्रबंधन को आपदा-प्रतिरोधी विकास में परिवर्तित किया जाता है, तो भारत न केवल अपने नागरिकों को सुरक्षित भविष्य दे सकेगा, बल्कि विश्व के लिए एक अनुकरणीय मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन ? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक



डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका



सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है—यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता।

जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है।

विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है।

यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं। एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है।

पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा। निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया, तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया, और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है। शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है, संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है—इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए स्वतंत्र परीक्षण और लेखा-परीक्षण अनिवार्य होने चाहिए। सरकारी एआई प्रणालियों की नियमित जाँच केवल उनकी गति और लागत बचत के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी सटीकता, निष्पक्षता, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव के आधार पर होनी चाहिए।

जिन प्रणालियों का प्रभाव पेंशन, राशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नागरिक अधिकारों पर पड़ता है, उनमें कठोर निगरानी और मानवीय अनुमोदन अनिवार्य होना चाहिए। गलत निर्णय की स्थिति में नागरिक को सरल शिकायत व्यवस्था, पुनर्विचार और मानवीय सुनवाई का अधिकार मिले। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप नागरिकों की निजी जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। डेटा का उपयोग सीमित उद्देश्य के लिए हो, अनावश्यक संग्रह से बचा जाए और सुरक्षा संबंधी उल्लंघनों पर जवाबदेही तय हो। सरकारी कर्मचारियों को भी एआई की सीमाओं, गलत उत्तरों, पूर्वाग्रहों और साइबर खतरों के बारे में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। केवल तकनीक खरीद लेना डिजिटल शासन नहीं है; उसका विवेकपूर्ण संचालन ही वास्तविक सुधार है। एक और खतरा डिजिटल विभाजन का है। यदि सरकार धीरे-धीरे सभी सेवाओं को एआई आधारित माध्यमों पर निर्भर कर दे, तो ग्रामीण नागरिक, बुजुर्ग, दिव्यांगजन, कम डिजिटल साक्षरता वाले लोग और भाषाई रूप से वंचित समुदाय पीछे छूट सकते हैं। नागरिक को सरकारी सेवा प्राप्त करने के लिए मशीन से संवाद करने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए। तकनीक सुविधा दे, लेकिन मानवीय सहायता का दरवाजा बंद न करे। सरकार को एआई के प्रति न अंधा उत्साह दिखाना चाहिए, न भय के कारण उसे पूरी तरह अस्वीकार करना चाहिए। आवश्यकता संतुलित, नियंत्रित और नागरिक-केंद्रित उपयोग की है। उच्च जोखिम वाले निर्णयों में मानव निगरानी, स्वतंत्र ऑडिट, स्पष्ट जिम्मेदारी, डेटा सुरक्षा और प्रभावी शिकायत निवारण अनिवार्य होना चाहिए। सरकार का उद्देश्य मशीनों से नागरिकों को नियंत्रित करना नहीं, तकनीक से नागरिकों की समस्याएँ हल करना होना चाहिए। एआई यदि नागरिक को सरकारी कार्यालयों के चक्कर से बचाता है, तो स्वागतयोग्य है; लेकिन यदि वह नागरिक को गलत उत्तर, अपारदर्शी निर्णय और जवाबदेहीहीन व्यवस्था के हवाले करता है, तो वह सुधार नहीं, संकट है।

कर्मों की सब साख

उदय कशोर साह

कविता



झूठ छिपाने के लिए, झूठ हजारों बोल।
सच्चाई जब सामने, खुल जाए सब पोल।।
चेहरे पर मुस्कान है, मन में छिपा विकार।
मीठे बोलों के तले, पलता छल व्यापार।।

धन, पद, यौवन देखकर, जागे मन में चाह।
सच्चे रिश्ते छूटते, स्वार्थ पकड़ता राह।।
परहित की बातें करे, भीतर भरा विकार।
कथनी-करनी बीच में, लंबा है विस्तार।।

घर की खुशियाँ छोड़कर, बाहर खोजे चैन।
मन के भीतर दोष हों, कटे न उसकी रैन।।
निष्ठा केवल शब्द है, जब मन हो बेईमान।
रिश्तों की हर डोर पर, पड़ जाता व्यवधान।।

पाप छिपे, छिपते नहीं, कर लो उपाय लाख।
समय स्वयं ही खोलता, कर्मों की सब साख।।
टूटे रिश्तों की व्यथा, कौन सुनेगा आज।
स्वार्थी मन के सामने, फीका हर अनुराग।।

संयम, सच, विश्वास से, रिश्ते पाते मान।
इनके बिन जीवन बने, केवल देह-मकान।।

तो इन्हें है देश के सम्मान की चिंता ?

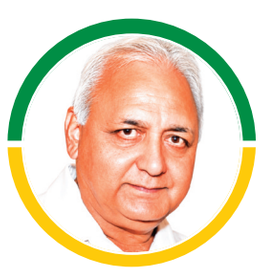

तनवीर जाफरी
लेखक

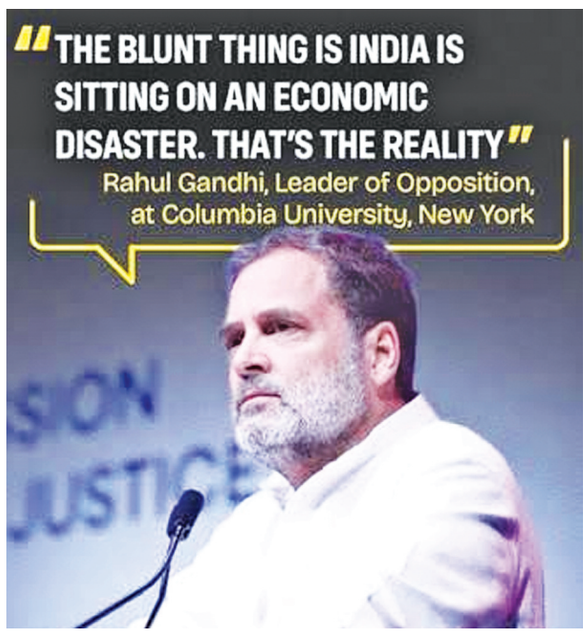

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर हैं। दरअसल पिछले दिनों न्यूयॉर्क स्थित अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत ₹ आर्थिक संकट ₹ के मुहाने पर खड़ा है और यहाँ बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर समस्याएं हैं। भाजपा राहुल गाँधी द्वारा विदेश जाकर की जाने वाली ऐसी आलोचनाओं को सहन नहीं कर पाती और इसे देश विरोधी प्रचार बताती है। राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इसे देश को बदनाम करने वाला बताया और उनके इस इस दावे को भी खारिज किया कि भारत की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है या आर्थिक संकट में है। रिजिजू ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी ने भारत की सभ्यता, परंपराओं, लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने वाली मानसिकता बना ली है। उन्होंने यह संगीन आरोप भी लगाया कि देश-विरोधी और वामपंथी विचारधारा वाली ताकतें उन्हें प्रभावित कर रही हैं या उकसा रही हैं। रिजिजू ने राहुल को सुझाव दिए कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को ₹मृतप्र या खत्म बताने वाले झूठे दावे करना बंद करें। भाजपा के अन्य कई नेता पहले भी राहुल गांधी की विदेश में की जानी वाली इसतरह की टिप्पणी पर अपनी ऐसी ही तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं। सवाल यह है कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराते संकट की बात केवल राहुल गांधी ही कहते हैं या देश के अन्य कई प्रमुख अर्थशास्त्री भी ऐसे ही विचार रखते हैं ? सच तो यह है कि पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर देश और दुनिया के कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों, पूर्व नीति-निमार्ताओं और राजनेताओं ने समय-समय पर गंभीर चेतावनियां दी हैं। वे भी देश में अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक संकट, बेरोजगारी और धीमे निजी निवेश जैसे शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। उदाहरणार्थ पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन भारत के जीडीपी आंकड़ों की गणना पद्धति, निजी निवेश में सुस्ती, रोजगार सृजन की कमी और जीएसटी के बाद अनौपचारिक क्षेत्र को हुए नुकसान पर लगातार गंभीर चिंता जताते रहे हैं । नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मध्यम वर्ग की स्थिर या घटती वास्तविक आय और महंगाई के कारण बढ़ रहे आर्थिक दबाव को लेकर चेतावनी दी है। इसी तरह पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता, रुपये की गिरावट और विदेशी पूंजी के बाहर जाने जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता पर चिंता व्यक्त की है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और कौशिक बसु जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी अलग-अलग समय पर नोटबंदी के असर, जीडीपी की गणना में संभावित विसंगतियों, घटते निर्यात और रोजगार संकट को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता व अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी ही पार्टी की सरकार की कई आर्थिक नीतियों—विशेषकर जीएसटी, नोटबंदी और बैंकिंग नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर संकट की चेतावनी देते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम बेरोजगारी, महंगाई और मध्यम वर्ग की थमी हुई आय को देश की तीन सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियां बता चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तो नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया था। इतना ही नहीं बल्कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार से लगभग 2.95 लाख करोड़ अर्थात करीब 35 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश वापस निकाला है। हालांकि नवंबर 2026 में इन विदेशी निवेशकों द्वारा पुनः करीब 10.6 अरब की रिकॉर्ड वापसी भी की गयी है। फरवरी 2026 में ईरान पर हुए हमले और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक निवेशकों ने जोखिम भरे बाजारों से पैसा निकालना शुरू किया। इसी लिए अकेले मार्च महीने में ही रिकॉर्ड 13 अरब डॉलर की निकासी हुई। वैश्विक अस्थिरता के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ने और महंगाई की आशंका पैदा हुई। 10-साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर 5.2% से अधिक का सुरक्षित रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने भारतीय बाजार के मुकाबले अमेरिका में पैसा लगाना अधिक फायदेमंद समझा। परन्तु सरकार का दावा है कि भारत 7% या उससे अधिक की दर से बढ़ने वाली दुनिया की सबसे तेज प्रमुख अर्थव्यवस्था है और पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। दूसरी यही सरकार यह कहकर भी अपनी पीठ स्वयं थपथपाती रहती है कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन उपलब्ध करा रही है। अब रहा सवाल विदेश की धरती पर भारत की बदनामी कराने का तो इस बदनामी का मापदंड आखिर कौन तय करेगा ? याद कीजिये मई 2015 में चीन के शंघाई और दक्षिण कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'एक दौर ऐसा था जब लोग सोचते थे कि उन्होंने पिछले जन्म में कौन-सा पाप किया था जो भारत में पैदा हुए,यह कैसा देश है और कैसी सरकार है, और लोग बाहर चले जाना चाहते थे।' प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक बहस हुई थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

गढ़ गंगा मेले की सुरक्षा को लेकर एडीजी और डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों को किया ब्रीफ

मेला स्थल पर गार्द सलामी के बाद अस्थायी पुलिस लाइन में हुई गोष्ठी, अधिकारियों को सतर्कता और जिम्मेदारी से ड्यूटी निभाने के निर्देश

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह





हापुड़। गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन ने मेला स्थल पहुंचकर गार्द सलामी ली। इसके बाद अपर पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र ने पुलिस अधीक्षक हापुड़ की उपस्थिति में मेला स्थल पर बनाई गई अस्थायी पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों के साथ गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गोष्ठी में मेले में ड्यूटी के लिए तैनात समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं घाट प्रभारियों के साथ सेक्टर और जोनल प्रभारियों को ब्रीफ किया गया। अधिकारियों ने मेले की संवेदनशीलता और श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, कानून व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर मुस्तैदी से तैनात रहें तथा किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरतें। अधिकारियों ने कहा कि गढ़ गंगा मेला धार्मिक आस्था और श्रद्धा से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पुलिस की जिम्मेदारी केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करें और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराएं। गोष्ठी के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करें। घाटों और मेला क्षेत्र में तैनात पुलिस बल आपसी समन्वय के साथ कार्य करे। किसी भी अप्रिय स्थिति, अव्यवस्था या कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्या की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

एडीजी और डीआईजी ने सभी पुलिस अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने, ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरतने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 में आने वाले श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें तथा मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

पुलिस अधिकारियों ने निर्देश दिए कि मेले के दौरान भीड़ के दबाव और श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जाए। किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्र होने या जाम की स्थिति बनने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। घाटों पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि ड्यूटी पर तैनात प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, निर्धारित जिम्मेदारी और आपातकालीन व्यवस्था की पूरी जानकारी होनी चाहिए। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिसकर्मी आपसी संपर्क बनाए रखें। इसके साथ ही मेले में आने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सहायता के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी अपनी ड्यूटी का नियमित निरीक्षण करें और व्यवस्थाओं में सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर कराएं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि बेहतर सुरक्षा प्रबंधन, अनुशासन और आपसी समन्वय से गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर कार्यालय में किया स्मरण

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह





हापुड़। दिल्ली रोड स्थित कैंप कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव देवेंद्र जाखड़ की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपस्थित लोगों ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के जीवन, संघर्ष और राजनीतिक योगदान को याद किया।कार्यक्रम में देवेंद्र जाखड़, संजय यादव, दिनेश तोमर, किशन सिंह तोमर, श्रवण शर्मा, हाजी नईम जड़ोदिया, हाजी शमशुद्दीन, रिजवान चौधरी, वकार अहमद, अरुण ढाका, रवि सिंह, शालू जौहरी, बिलाल कुरैशी, वाहिद चौधरी, अवधेश त्यागी, सनी पंवार, नाजिम चौधरी, रिजवान, दीपक त्यागी, रवीन्द्र यादव एवं सौरभ तोमर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान मुलायम सिंह यादव के विचारों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों और समाज के कमजोर वर्गों के हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रखा। उनके संघर्ष और जनसेवा से जुड़ा जीवन आज भी समाजवादी विचारधारा में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि नेताजी ने जिस सादगी और समर्पण के साथ जनता के बीच रहकर राजनीति की, उसे आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सभी ने समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

बहादुरगढ़ पुलिस ने चोरी की तीन घटनाओं का किया खुलासा, चार बाल अपचारी सहित छह गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम भदस्याना में तीन मकानों में हुई चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने मामले में चार बाल अपचारी सहित छह चोरों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सफेद व पीली धातु के आभूषण, 24,820 रुपये की नकदी और अवैध असलहा बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने 20 नवंबर 2026 की रात थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के ग्राम भदस्याना में दो मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इसके अलावा गिरफ्तार आरोपी विक्की ने 13 जुलाई 2026 को ग्राम भदस्याना निवासी राहुल तोमर के घर में चोरी करने की घटना भी स्वीकार की है। इस मामले में थाना बहादुरगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 168/26, धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है।बहादुरगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं के खुलासे में सफलता मिली है।

बूथ निरीक्षण के दौरान गोयना के कंपोजिट स्कूल पर लटका मिला ताला, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने एसडीएम को दी सूचना

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश त्यागी ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जनपद में विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान मोदीनगर रोड स्थित कंपोजिट स्कूल गोयना के बूथ केंद्र के गेट पर ताला लटका मिला। मौके पर बीएलओ भी मौजूद नहीं थे बूथ केंद्र पर ताला लगा देखकर जिला अध्यक्ष राकेश त्यागी ने तत्काल एसडीएम प्रेमपाल सिंह को फोन कर मामले से अवगत कराया और बीएलओ की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनपद में बूथों का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने सहित पुनरीक्षण कार्य की स्थिति का जायजा लिया जा सके। इस पर एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने आश्वासन दिया कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जमीन के लालच में रिश्तों का कत्ल! बुजुर्ग की हत्या के मामले में बहू गिरफ्तार, नाबालिग नातिन पुलिस अभिरक्षा में

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़/(अन्तू)। जमीन और संपत्ति का लालच किस तरह पारिवारिक रिश्तों को तार-तार कर सकता है, इसका एक सनसनीखेज मामला जिले के अंतू थाना क्षेत्र से सामने आया है। कल्याणपुर चौराहे पर एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में अंतू पुलिस ने 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस की जांच में बुजुर्ग की हत्या के मामले में उनकी बहू और नाबालिग नातिन की संलिप्तता सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, जमीन के लालच और संपत्ति संबंधी विवाद को वारदात की वजह माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंतू थाना क्षेत्र की किठावर पुलिस चौकी के अंतर्गत कल्याणपुर चौराहे पर बुजुर्ग अपने घर के सामने सो रहे थे। इसी दौरान उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने जांच शुरू की और घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों तथा परिस्थितियों की पड़ताल की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर आशुतोष मिश्रा के निर्देशन में अंतू पुलिस को शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह सिरोही के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई। पुलिस के अनुसार, विवेचना के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुरागों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर बुजुर्ग की बहू संगीता वर्मा तथा उसकी नाबालिग बेटी की भूमिका संदिग्ध पाई गई। पुलिस का दावा है कि जमीन और संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया। जांच के आधार पर पुलिस ने संगीता वर्मा को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसकी नाबालिग बेटी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।

24 घंटे में खुलासे का पुलिस ने किया दावा

इस कार्रवाई में किठावर चौकी प्रभारी रविंद्र यादव, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अंकुर कैथवास और कांस्टेबल अंकित यादव की अहम भूमिका बताई गई है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाया और आरोपियों तक पहुंचने का दावा किया है। घटना ने एक बार फिर पारिवारिक संपत्ति विवादों और उनके गंभीर परिणामों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस परिवार में आपसी विश्वास और रिश्तों की अहमियत होनी चाहिए, वहां जमीन के विवाद में एक बुजुर्ग की जान जाने का आरोप बेहद चिंताजनक है। फिलहाल पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है। नाबालिग से संबंधित प्रकरण में किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इस घटना ने एक बार फिर पारिवारिक संपत्ति के विवादों में मानवीय रिश्तों के कमजोर पड़ने और बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जमीन-जायदाद को लेकर होने वाले विवाद कई बार परिवारों में तनाव और टकराव का कारण बन जाते हैं। ऐसे मामलों में आपसी बातचीत और कानूनी तरीके से विवाद का समाधान निकालना जरूरी है। खासकर बुजुर्गों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर परिवार के सदस्यों को संवेदनशील होना चाहिए। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपियों के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। न्यायालय में सुनवाई के बाद ही आरोपों की अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी।

एसआईआरः एसडीएम राजकुमार भास्कर ने कई बूथों का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता



टांडा(रामपुर)। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक बूथों पर मौजूद बीएलओ ने मतदाता सूची में दर्ज नामों का सत्यापन किया। साथ ही नए मतदाताओं के पंजीकरण और सूची में आवश्यक संशोधन के लिए लोगों से आवेदन प्राप्त किए।

अभियान के तहत 34-स्वार विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी राजकुमार भास्कर ने नगर के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर पुनरीक्षण कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने नगर के झंडा चौक स्थित मॉडल इंटर कॉलेज, वार्ड नंबर सात स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय मरघटी, उच्च प्राथमिक विद्यालय बादली, कम्पोजिट कन्या विद्यालय टांडा, सरस्वती विद्या मंदिर और चंद्रमुखी बालिका इंटर कॉलेज टांडा में बने बूथों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्धारित समय तक अपने-अपने बूथों पर उपस्थित रहने और पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों को पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। चंद्रमुखी बालिका इंटर कॉलेज स्थित मतदेय स्थल पर पदाभिहित अधिकारी सईदुज्जफर रहमानी और बीएलओ अभिनव कुमार समेत सभी संबंधित बीएलओ मौजूद रहे। वहीं, वार्ड नंबर सात स्थित केंद्र पर पदाभिहित अधिकारी सईद सागर सहित सभी बीएलओ उपस्थित मिले। अन्य मतदेय स्थलों पर भी बीएलओ और पदाभिहित अधिकारियों ने निर्धारित समय तक मौजूद रहकर अभियान के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

संगमलाल गुप्ता (पूर्व सांसद प्रतापगढ़) बने भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पूर्व सांसद संगमलाल गुप्ता को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा (ओबीसी मोर्चा) का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से प्रतापगढ़ के भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। मनोनयन की जानकारी मिलते ही उन्हें बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिले के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगमलाल गुप्ता को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यकर्ताओं ने इसे उनके संगठनात्मक अनुभव, पार्टी के प्रति समर्पण और पिछड़े वर्ग के बीच उनकी सक्रिय राजनीतिक भूमिका का सम्मान बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारी के माध्यम से संगमलाल गुप्ता राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को और मजबूती प्रदान करेंगे।

गौरतलब है कि संगमलाल गुप्ता इससे पहले भाजपा ओबीसी मोर्चा में राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे थे। संगठन में उनके अनुभव और सक्रियता को देखते हुए अब उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस मनोनयन को उनके राजनीतिक एवं संगठनात्मक सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। इस मनोनयन की एक और खास बात यह है कि भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य भी प्रतापगढ़ जनपद से संबंध रखते हैं और राज्यसभा सांसद हैं। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर भी प्रतापगढ़ के प्रतिनिधि की मौजूदगी से जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। राजनीतिक दृष्टि से भी इस घटनाक्रम को प्रतापगढ़ के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय संगठन में जिले के नेताओं की बढ़ती भागीदारी से स्थानीय कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक स्तर पर नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। संगमलाल गुप्ता को मिली इस नई जिम्मेदारी से जिले की राजनीति में भी चर्चा तेज हो गई है। भाजपा कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि उनके अनुभव और सक्रियता का लाभ संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा तथा पिछड़ा वर्ग के बीच पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को और विस्तार मिलेगा।

मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती पर सपाइयों ने किया हवन-पूजन, श्रद्धासुमन अर्पित कर 2027 में सरकार बनाने का लिया संकल्प





वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व रक्षा मंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती रविवार को जनपद हापुड़ स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर के नेतृत्व में मनाई गई।इस अवसर पर हवन-पूजन कर नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पार्टी के वरिष्ठ एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया तथा उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रसाद वितरित किया गया। इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने मुलायम सिंह यादव के विचारों, उनके संघर्ष, समाजवादी सिद्धांतों और पार्टी के उत्थान में उनके योगदान को याद किया। साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने और वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ से भेजे अपने संदेश में श्रद्धेय नेताजी को नमन करते हुए उनके समाजवादी सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प दोहराया।अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी से सबसे बड़ी सीख किसी के बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रहने और मदद की उम्मीद लेकर आने वाले हर व्यक्ति की यथासंभव सहायता करने की मिली। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति सच्चे मन और निस्वार्थ भाव से रिश्ते सुधारने के लिए आगे बढ़ता है तो हमें भी हाथ बढ़ाने में पीछे नहीं हटना चाहिए।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भूषण त्यागी, पदम सिंह, जयवीर सिंह, रेशमा यादव, सीमा तनेजा, दीपिका चुग, धीरज प्रताप सिंह, मोहम्मद बिलाल, कुंवर आजम अली, फारुख अब्दुल चौधरी, ऋषभ तोमर, आसिम चौधरी, साजिद चौधरी, श्याम सुंदर, अरुण ढाका, मीनू शर्मा, हम्माद मतीन सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से की भेंट, दिसंबर 2026 से मानदेय बढ़ाने के निर्णय का किया स्वागत

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल





देहरादून। आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सेविका कर्मचारी यूनियन उत्तराखण्ड तथा उत्तरांचल आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भेंट की। इस दौरान दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं एवं भोजन माताओं का दिसंबर 2026 से मानदेय बढ़ाए जाने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय लंबे समय से सेवाएं दे रही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के लिए राहतकारी साबित होगा। इससे उन्हें आर्थिक संबल मिलने के साथ ही कार्य के प्रति उत्साह और मनोबल भी बढ़ेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक बाल विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में उनकी सेवाएं बेहद सराहनीय हैं। वे जमीनी स्तर पर महिलाओं और बच्चों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान, सशक्तीकरण और आर्थिक सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं समाज और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके योगदान और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए सरकार उनके हितों के संरक्षण तथा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मानदेय में वृद्धि का निर्णय इसी दिशा में उठाया गया कदम है, जिससे उन्हें अपनी सेवाओं के लिए बेहतर आर्थिक सहयोग मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार का प्रयास है कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को बेहतर अवसर, सम्मान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के समर्पण और सेवाभाव से महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिल रही है। उनके प्रयासों से पोषण, स्वास्थ्य जागरूकता और बच्चों के प्रारंभिक विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को गति मिलती है। प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री के समक्ष मानदेय वृद्धि की घोषणा के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करती हैं। ऐसे में मानदेय में वृद्धि से उन्हें आर्थिक सहायता मिलेगी और उनके कार्यों को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ग्राम प्रधान ने किया दुष्कर्म

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/फरह। थाना क्षेत्र के गांव झुड़ाबई में महिला के साथ दुष्कर्म और 18 महीने तक शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने ग्राम प्रधान प्रताप सिंह राणा उर्फ पप्पू और उसके तीन साथियों पर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर करीब डेढ़ साल तक उसका शारीरिक शोषण किया गया। पीड़िता के मुताबिक, फरह पुलिस ने शुरूआत में उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर फरह थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। लेकिन पीड़िता का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी को लेकर आज पीड़िता एसएसपी कार्यालय पहुंची और पुलिस अधिकारियों से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर न्याय दिलाने की मांग की। अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले में कब तक कार्रवाई करती है।

श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र की दिव्य शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

विद्युत सज्जा, भव्य फूल बंगला, छप्पन भोग, पालकी उत्सव एवं हरिनाम संकीर्तन की मधुर ध्वनि के बीच तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/वृंदावन। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय भव्य कार्तिक उत्सव के अंतिम दिन भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र की दिव्य शोभायात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर आगरा मंडल के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भगत जी एवं मथुरा-वृंदावन के विधायक श्रीकांत शर्मा ने भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र का विशेष पूजन-अर्चन एवं सोहनी सेवा कर उत्सव के समापन समारोह का शुभारंभ किया। विधिवत आरती एवं पूजा-अर्चना के पश्चात ठाकुर जी को चंदन की लकड़ी से निर्मित भव्य एवं कलात्मक दिव्य रथ पर विराजमान कराया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा भगवान के दिव्य रथ को खींचकर संपूर्ण मंदिर प्रांगण की परिक्रमा कराई गई। ठाकुर जी के रथारूढ़ होते ही मंदिर परिसर हरिनाम संकीर्तन एवं जयकारों से गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुष्पवर्षा, भक्ति संगीत और महामंत्र संकीर्तन के बीच निकली इस दिव्य शोभायात्रा ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

उत्सव के अंतर्गत भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र को मंदिर के गर्भगृह से विधिवत पालकी में विराजमान कर नीचे लाया गया। इस दौरान भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन एवं जयकारों के साथ अपने आराध्य का अभिनंदन किया। ठाकुर जी को विशेष एवं आकर्षक पोशाक धारण कराई गई तथा विविध प्रकार के सुगंधित एवं रंग-बिरंगे पुष्पों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में भव्य फूल बंगले का आयोजन किया गया, जिसकी अनुपम पुष्प सज्जा ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस पावन अवसर पर भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र को विधिवत छप्पन भोग अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री दामोदराष्टकम का भावपूर्ण गान किया तथा अपने आराध्य के श्रीचरणों में दीप प्रज्वलित कर श्रद्धापूर्वक दीपदान किया। दीपों की स्वर्णिम आभा, पुष्पों की अलौकिक सज्जा एवं हरिनाम संकीर्तन की मधुर स्वर लहरियों ने संपूर्ण मंदिर परिसर को दिव्य आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया।

कार्तिक उत्सव के अवसर पर वृंदावन चंद्रोदय मंदिर की भव्य सजावट भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। संपूर्ण मंदिर परिसर को दिव्य दुधिया विद्युत रोशनी से आलोकित एवं अलंकृत किया गया, जिससे मंदिर की स्थापत्य भव्यता और भी निखर उठी। परिसर के विभिन्न स्थानों पर आकर्षक एवं कलात्मक रंगोलियों का निर्माण किया गया। रंग-बिरंगी रंगोलियों, मनोहारी पुष्प सज्जा और जगमगाती रोशनी के अद्भुत समन्वय ने मंदिर परिसर को उत्सवमय एवं अलौकिक स्वरूप प्रदान किया। इस प्रकार तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र के दिव्य दर्शन, विशेष पूजन-अर्चन, सोहनी सेवा, भव्य श्रृंगार, फूल बंगला, छप्पन भोग, दीपदान एवं दिव्य शोभायात्रा के साथ अत्यंत हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

दसवें रविवार भी परिक्रमा मार्ग पर चला स्वच्छता अभियान



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गिरिराज नगरी परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ और पॉलिथीन मुक्त बनाने के उद्देश्य से बाबा कढ़ेरा सिंह आवासीय विद्या मंदिर नगला-अखका सौंख की ओर से रविवार को दसवें सप्ताह भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। सुबह आठ बजे विद्यालय परिवार के 38 स्वयंसेवकों ने खंभा संख्या 300 से आगे करीब तीन किलोमीटर मार्ग पर सफाई की। इस दौरान पॉलिथीन, प्लास्टिक की बोतलें, दोना-पत्तल और अन्य कचरा एकत्र किया गया। अभियान का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश सिंह ने स्वयं झाड़ू लगाकर किया। उनके साथ प्रबंधक प्रहलाद सिंह, शिक्षा निदेशक एसवी सिंह, प्राचार्य डॉ. अर्जुन शर्मा, उपप्राचार्य रामबाबू, कोऑर्डिनेटर बिपिन सिंह सहित 38 स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया।

चेयरमैन सुरेश सिंह ने कहा कि गोवर्धन करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। विद्यालय बच्चों को शिक्षा के साथ सेवा और संस्कारों की सीख देने के लिए भी प्रयासरत है। प्रबंधक प्रहलाद सिंह ने श्रद्धालुओं और दुकानदारों से कूड़ा निर्धारित कूड़ेदान में डालने की अपील की। अभियान में दाऊ पंडित, ऋषि पंडित, भगत सिंह, उधम सिंह सहित स्थानीय लोग और श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए इसे निरंतर जारी रखने की आवश्यकता जताई।

निशुल्क नेत्र शिविर में 1522 मरीजों की जांच, 788 ऑपरेशन के लिए चयनित

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/गोवर्धन। श्रीनाथजी धर्मार्थ सेवा सोसायटी फरीदाबाद एवं कल्याणं करोति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय 25वें निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 1522 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। इनमें 788 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जबकि 438 मरीजों के ऑपरेशन पूरे हो चुके हैं। शेष मरीजों का उपचार जारी है।

रविवार को सीताराम धर्मशाला जापान वाली में शिविर का समापन दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस दौरान मरीजों को निशुल्क दवाएं वितरित की गईं। सोसायटी के अध्यक्ष जगदीश लाल भाटिया ने कहा कि जरूरतमंदों को आंखों की रोशनी देना सबसे बड़ा सेवा कार्य है। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने कहा कि परहित से बढ़कर कोई धर्म नहीं है, वहीं श्रीमदजगदगुरु पीपाद्वाराचार्य बलराम दास देवाचार्य ने नर सेवा को नारायण सेवा बताया। कल्याणं करोति के महासचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि मरीजों के ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण कल्याणं करोति नेत्र संस्थान में किए जा रहे हैं। शिविर में मरीजों के रहने, भोजन और दवाओं की व्यवस्था निशुल्क रही। इस अवसर पर गुलशन लाल भाटिया, पीएल पांडे, विनोद भाटिया, कमल अग्रवाल, पंकज परिक, राकेश दीवान, जगदीप कंबोज, रमेश भोलू, सरपंच महिपाल आर्य, भारत अरोड़ा, सुरेश यादव, रमेश अग्रवाल, यतिन भाटिया, उदित भाटिया, एमपी शेखावत सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

हीरालाल इंटर कॉलेज में ब्लैकआउट मॉकड्रिल का आयोजन, सायरन बजते ही बंद की गईं लाइटें

आपदा की स्थिति में सुरक्षा, सतर्कता और त्वरित बचाव कार्यों का किया गया व्यावहारिक प्रदर्शन

वेलकम इंडिया/परवेज अख्तर



संतकबीरनगर। आपदा की स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित रखने और राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से हीरालाल इंटर कॉलेज खलीलाबाद परिसर में ब्लैकआउट मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। उप जिलाधिकारी सदर हृदय राम तिवारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित इस अभ्यास के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, आपदा मित्रों एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। मॉकड्रिल के माध्यम से लोगों को ब्लैकआउट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के साथ आपात स्थिति में आत्मरक्षा, त्वरित राहत और बचाव कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन देर शाम हीरालाल इंटर कॉलेज परिसर में किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाम छह बजे सायरन बजाया गया। सायरन की आवाज सुनते ही परिसर में जल रही सभी लाइटें बंद कर दी गईं और पूरे क्षेत्र में अंधेरा कर ब्लैकआउट की स्थिति तैयार की गई। इसके बाद संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार सक्रिय हो गए। मॉकड्रिल में यह प्रदर्शित किया गया कि आपात स्थिति के दौरान किस प्रकार समन्वय बनाकर कार्य करना है और आम नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए तत्काल कौन-कौन से कदम उठाने चाहिए।

अभ्यास के दौरान पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की टीमों ने अपने दायित्वों के अनुरूप कार्यों का प्रदर्शन किया। मौके पर मौजूद एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, स्वयंसेवकों एवं आपदा मित्रों ने नागरिकों को अंधेरे के दौरान सावधानी बरतने, सुरक्षित स्थान पर रहने, अफरा-तफरी से बचने तथा जरूरत पड़ने पर राहत एवं बचाव दलों का सहयोग करने के तरीके समझाए। विभिन्न परिस्थितियों में घायलों को सहायता पहुंचाने और त्वरित बचाव कार्यों के संबंध में भी व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस दौरान हीरालाल इंटर कॉलेज परिसर में अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन की मौजूदगी रही। आयोजन को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों को पहले से ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी समन्वय के साथ मॉकड्रिल में अपनी भूमिका निभाई। इसका उद्देश्य वास्तविक आपदा के समय उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशासनिक तैयारियों का अभ्यास करना और आम नागरिकों को जागरूक बनाना रहा।

उप जिलाधिकारी हृदय राम तिवारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पाण्डेय सहित उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभ्यास आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित मॉकड्रिल से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर होता है और अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने का अभ्यास भी मिलता है। इससे संभावित जनहानि और अन्य नुकसान को न्यूनतम करने में मदद मिल सकती है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि आपदा प्रबंधन से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन करें, किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता और समझदारी से काम लें तथा प्रशासन द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों एवं अभ्यास में सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि आपदा से बचाव के लिए प्रशासनिक तैयारियों के साथ आमजन की जागरूकता और सहयोग भी बेहद

विशेष अभियान दिवस पर तीनों विधानसभा क्षेत्रों के बूथों का एसडीएम ने किया निरीक्षण, मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रगति परखी

पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने पर जोर, बीएलओ को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में जनपद में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान जनपद के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में संबंधित उप जिलाधिकारियों ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर बूथों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मतदाता सूची में नए नाम शामिल करने, अपात्र एवं मृत मतदाताओं के नामों से संबंधित कार्यवाही तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद बीएलओ एवं सुपरवाइजर से प्राप्त आवेदनों और उनके निस्तारण की स्थिति की जानकारी लेते हुए अभियान को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उप जिलाधिकारी मेहदावल सुधीर कुमार ने विधानसभा क्षेत्र 312-मेहदावल के अंतर्गत विशेष अभियान दिवस पर विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ संख्या 561, 312, 558, 559 एवं 560 सहित अन्य मतदान केंद्रों पर पहुंचकर वहां चल रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित बूथों के सुपरवाइजर एवं बीएलओ मतदाता सूची तथा फॉर्म-6, 7 और 8 के साथ उपस्थित मिले। बूथों पर पहुंचे नागरिकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर उनके आवेदन भरवाए गए। उप जिलाधिकारी ने बीएलओ से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा मतदाता सूची में संशोधन के लिए प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र नागरिक जानकारी के अभाव या किसी अन्य कारण से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र 313-खलीलाबाद में उप जिलाधिकारी हृदय राम तिवारी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ संख्या 350, प्राथमिक विद्यालय मीरगंज स्थित बूथ संख्या 281, प्राथमिक विद्यालय भुजैनी स्थित बूथ संख्या 237, प्राथमिक विद्यालय चंगेरा मंगेरा, प्राथमिक विद्यालय चिउटना स्थित बूथ संख्या 132 तथा बूथ संख्या 171 का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाइजर से फॉर्म-6, 7 और 8 प्राप्त होने की स्थिति की जानकारी हासिल की। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवक-युवतियों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। इसके लिए पात्र युवाओं को जागरूक करने और उनसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन प्राप्त करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। विधानसभा क्षेत्र 314-धनघटा (अ0जा0) में उप जिलाधिकारी वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ संख्या 314, 345, 346, 378, 380, 339, 88, 89, 90 और 91 पर पहुंचकर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद बीएलओ एवं सुपरवाइजर से फॉर्म-6, 7 और 8 प्राप्त होने तथा उनके माध्यम से की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को निर्धारित दिशा-निदेशों के अनुरूप पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान तीनों विधानसभा क्षेत्रों के उप जिलाधिकारियों ने बीएलओ से अर्हता तिथि के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे नागरिकों की जानकारी ली, जिनके नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो सके हैं। साथ ही फॉर्म-6 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की संख्या, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 से संबंधित कार्यवाही और उनके निस्तारण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची तैयार करने में केवल संख्या बढ़ाने पर ही नहीं, बल्कि उसकी शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। प्रत्येक आवेदन की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उप जिलाधिकारियों ने बीएलओ एवं सुपरवाइजर को निर्देशित किया कि विशेष अभियान दिवस के साथ-साथ अन्य कार्यदिवसों में भी निर्धारित दायित्वों का नियमित रूप से निर्वहन करें। अपने-अपने क्षेत्र में पात्र नागरिकों से संपर्क कर उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करें। विशेषकर पहली बार मतदाता बनने जा रहे युवाओं तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि वे समय से आवेदन कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। प्रशासन की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि जिन युवक-युवतियों की आयु अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए संबंधित बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म-6 भरें।

मारहरा की सरजमीं पर उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

101वें उर्स-ए-कासमी का कुल शरीफ की फातिहा के साथ हुआ समापन

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती





पीलीभीत। मारहरा कस्बे की विश्वप्रसिद्ध दरगाह खानकाह बरकातिया में आयोजित तीन दिवसीय 101वें उर्स- ए- कासमी का रविवार को कुल शरीफ की फातिहा के साथ समापन हो गया। उर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचे। तीन दिनों तक दरगाह परिसर इबादत, अकीदत और सूफियाना परंपराओं से सराबोर रहा। जायरीनों ने बुजुर्गों को खिराज- ए- अकीदत पेश करते हुए मुल्क में अमन, शांति, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगीं। उर्स के अंतिम दिन सुबह से ही दरगाह परिसर में जायरीनों की आवाजाही शुरू हो गई थी। इस दौरान सज्जादानशीन की ओर से तबरुर्कात की जियारत कराई गई। पवित्र धार्मिक निशानियों की जियारत के लिए बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। जियारत के दौरान लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ दुआएं कीं। इसके बाद पारंपरिक महफिल का आयोजन हुआ, जिसमें उलमा और वक्ताओं ने दीन, इल्म, नेक अमल तथा इंसानियत के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि समाज में प्रेम, सद्भाव और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना बेहद जरूरी है।महफिल के उपरांत कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इस मौके पर पैगंबर- ए- इस्लाम से संबंधित पवित्र तबरुर्कात, जिनमें मुबारक दाढ़ी के बाल, पांव मुबारक का निशान और जूती सहित अन्य धार्मिक निशानियां शामिल थीं, की जियारत कराई गई। इस दौरान दरगाह परिसर में अकीदतमंदों का उत्साह और श्रद्धा देखते ही बन रही थी।इससे पहले उर्स के दूसरे दिन शनिवार की रात खरकापोशी का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सज्जादानशीन सैयद मोहम्मद अमीन मियां बरकाती ने बुजुर्गों का लिबास पहनकर पीर का दीदार कराया।इस रस्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में जायरीन जुटे। कार्यक्रम के दौरान खानकाही परंपराओं और आध्यात्मिक वातावरण ने लोगों को भावविभोर कर दिया।उर्स के समापन पर सज्जादानशीन सैयद नजीब हैदर नूरी बरकाती और सैयद मोहम्मद अमीन मियां बरकाती ने सभी जायरीनों की सलामती और सकुशल घर वापसी के लिए दुआ की। साथ ही देश में खुशहाली, शांति, एकता और भाईचारा कायम रहने की कामना की।तीन दिवसीय 101वां उर्स-ए-कासमी शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। आयोजन ने एक बार फिर खानकाह बरकातिया की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और सूफी परंपराओं के प्रति लोगों की गहरी आस्था को प्रदर्शित किया।

स्कूल जाने निकली छात्रा सहित तीन बेटिया के गायब होने से खलबली

कहीं अज्ञात तो कहीं नामजद पर अपहरण का मुकदमा, तीन युवतियों की तलाश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन युवतियों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। तीनों मामलों में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवतियों की तलाश को लेकर परिजन परेशान हैं।पहला मामला थाना पूरनपुर क्षेत्र के मोहल्ला बमनपुरी का है। यहां निवासी सोनी देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी मुस्कान 20 नवंबर की शाम करीब छह बजे घर से लापता हो गई। आरोप है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिवार के लोगों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद मां ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई और बेटी की बरामदगी की गुहार लगाई।दूसरा मामला थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव दयालपुर का है। दोदराम ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनकी बेटी गंगा को 16 नवंबर को शिवम और रमेश पुत्रगण जगदीश प्रसाद तथा ममता देवी पत्नी जगदीश प्रसाद अगवा कर ले गए। आरोप है कि तलाश के दौरान ममता देवी ने कथित तौर पर बेटी को अगवा करवाने की बात कही और विरोध करने पर जातिसूचक गालियां दीं। पीड़ित पिता ने बेटी की जान-माल को खतरा बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।तीसरा मामला थाना घुंघचिहाई क्षेत्र के गांव सिमरिया का है। यहां निवासी ब्रजलाल ने पुलिस को बताया कि उनकी करीब 20 वर्षीय बेटी दिव्यांशी देवी 20 नवंबर को स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। तलाश करने पर गांव के संजय कुमार पुत्र सोनपाल उर्फ सोहनपाल पर उसे बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया। परिजनों के मुताबिक युवती घर से 50 हजार रुपये नकद और पहने हुए जेवर के अलावा मां के जेवर भी साथ ले गई है। संजय के घर पहुंचने पर उसके पिता ने भी उसके घर पर नहीं होने की जानकारी दी। पीड़ित पिता ने रिपोर्ट दर्ज कर बेटी की तलाश और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।तीनों मामलों में संबंधित थानों की पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर युवतियों की तलाश और आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

दिलावरपुर में विधायक बाबूराम पासवान ने लिया मतदाता जोड़ो अभियान का जायजा

बूथ संख्या 241, 242 और 243 पर नए मतदाताओं के पंजीकरण की ली जानकारी, ग्रामीणों को किया जागरूक

मीनू बरकाती/वेलकम इंडिया



पूरनपुर/पीलीभीत। लोकतंत्र को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों की चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को ग्राम दिलावरपुर में मतदाता जोड़ो अभियान के तहत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम पासवान ने शामिल होकर नए मतदाताओं के पंजीकरण और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के कार्यों की जानकारी ली।बैठक के दौरान विधायक ने बूथ संख्या 241, 242 और 243 पर पहुंचकर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा वोटर कार्ड बनवाने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अभियान के तहत अब तक किए गए कार्यों की स्थिति जानी और पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया। इस दौरान विधायक ने मौजूद ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता बनना बेहद जरूरी है। मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति नागरिकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है और जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना पंजीकरण अवश्य कराएं। साथ ही मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे भी ठीक कराने के लिए जागरूक किया।बैठक में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। विधायक ने ग्रामीणों को योजनाओं के माध्यम से मिल रहे लाभों की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रामनिवास शर्मा, रवि शुक्ला, भगवान दीन, रामसेवक वर्मा, चंद्र प्रकाश वर्मा सहित सैकड़ों क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

सीएम योगी की पूज्य माताजी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी



सिद्धार्थनगर। सांसद जगदम्बिका पाल के कैम्प कार्यालय सिद्धार्थनगर में रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की पूज्य माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने पूज्य माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पुण्यात्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर सांसद जगदम्बिका पाल ने अपने शोक उद्बोधन में कहा कि पूज्य माताजी का निधन अत्यन्त पीड़ादायक एवं अपूरणीय क्षति है। मां केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति, संस्कारों की प्रथम पाठशाला और निःस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति होती हैं। मां का स्नेह, त्याग, तपस्या और आशीर्वाद जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होते हैं, जिनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की पूज्य माताजी का निधन अत्यन्त दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं मुख्यमंत्री जी एवं उनके समस्त परिवार के साथ हैं। मां का जाना जीवन की ऐसी रिक्तता है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। पूज्य माताजी द्वारा दिये गये संस्कार, स्नेह और जीवन मूल्य सदैव स्मरणीय एवं प्रेरणादायी रहेंगे। सांसद पाल ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं उनके परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि माता का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है। उनका स्नेह, त्याग और संस्कार सदैव स्मरणीय रहते हैं। श्रद्धांजलि सभा में श्रीमती डॉ0 सीमा मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा गणेश लोधी, रामकेश पाण्डेय, गंगा मिश्रा, राधे बाबा, धनन्जय सिंह, जयप्रकाश यादव, जयवर्धन तिवारी, प्रेम प्रकाश पाण्डेय, घनश्याम मिश्रा, महेश यादव, अशोक पाठक, राजेन्द्र त्रिपाठी सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कुरैया में विकास कार्य को मिली रफ्तार, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने फीता काटकर किया गया शुभारंभ

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत कुरैया में रविवार को गांव में विकास कार्यों को गति देते हुए भीखम सिंह के घर से देवस्थान की ओर जाने वाले मार्ग पर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपुर्व सिंह ने फीता काटकर विकास कार्य का उद्घाटन किया गया। मार्ग पर कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने गांव में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और रास्तों का बेहतर होना बेहद जरूरी है। इससे लोगों को दैनिक आवागमन के साथ-साथ धार्मिक स्थलों तक पहुंचने में भी सहूलियत मिलती है।कार्यक्रम में गन्ना सहकारी समिति पूरनपुर के चेयरमैन नितिन दीक्षित, गन्ना सहकारी चीनी मिल के उपाध्यक्ष बहादुर सिंह, मंडल अध्यक्ष मनोज वर्मा, मंडल महामंत्री रामनिवास, सह कोषाध्यक्ष राजराखन शर्मा, प्रधान प्रतिनिधि प्रमुख हंसराम राठौर, मंडल सदस्य बब्बू शर्मा, पूर्व प्रधान शिवसागर वर्मा, अतुल प्रधान बामर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोनपाल, अभिषेक बाजपेई, बीडीसी रोहित मिश्रा, किशन वर्मा, रोशन वर्मा, सुनील देवल और डॉ. अजय पाल मौजूद रहे। इसके अलावा अधिवक्ता शिवसागर शर्मा, पूर्व प्रधान रघुराई, नन्हे लाल, जयकरन लाल, रामकिशोर और देवी लाल चौहान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक



सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत रविवार को सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के ग्राम महनगा में पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को महिला अपराध, साइबर अपराध, दहेज उत्पीड़न और नए कानूनों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान पंपलेट वितरित कर सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौरयान के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुआ। टीम ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना और रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। महिलाओं को आपात स्थिति में 112, महिला हेल्पलाइन 1090 व 181, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 सहित अन्य उपयोगी नंबरों के बारे में बताया गया। इस दौरान उपनिरीक्षक विजय कुमार, महिला कांस्टेबल स्नेहा मिश्रा और महिला आरक्षी अनिशा सरोज मौजूद रहीं।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर एसएसपी ने की समीक्षा बैठक



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रविवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें पूर्व में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान दर्ज अभियोगों की समीक्षा की गई। साथ ही लाइसेंसी शस्त्रों के सत्यापन को लेकर चर्चा हुई।

एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्वाचन से जुड़े अभियोगों के अभिलेखों तथा शस्त्रों से संबंधित जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने चुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने को कहा।गोष्ठी में सभी क्षेत्राधिकारी, थानों के पैरवी अधिकारी, न्यायालय पैरवीकार, चुनाव कार्य में लगे उपनिरीक्षक, हेड मुहर्रिर तथा मुख्य आरक्षी और आरक्षी मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर 27 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

बढ़नी में आयोजित समारोह में अंगवस्त्र और उपहार देकर किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी



शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर । समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में रविवार को शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बढ़नी ब्लॉक के जियाभारी गांव में समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम के संयोजक मणेन्द्र मिश्रा ने गांधी आदर्श इंटर कॉलेज बढ़नी, बृजेश्वरी इंटर कॉलेज घरुआर तथा क्षेत्र के जूनियर और प्राथमिक विद्यालयों के 27 सेवानिवृत्त शिक्षकों को अंगवस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया।इस दौरान मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का सिद्धार्थनगर जिले से गहरा जुड़ाव रहा है। जिला कलेक्ट्रेट और लोहिया कला भवन का उद्घाटन भी उन्होंने ही किया था। उनके मुख्यमंत्रित्व काल में जिले में विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य हुए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की स्थापना कर इस जुड़ाव को और मजबूत किया।कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग हरिनाथ यादव ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक शकील शाह, प्रदेश सचिव जावेद खान, सेक्टर प्रभारी रामसेवक यादव, बूथ प्रभारी छेदी प्रसाद, पंकज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अमरिया में धूमधाम से मनाई गई नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती

सपा कार्यकताओं ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता



अमरिया/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती रविवार को कस्बा अमरिया स्थित एक फार्म हाउस पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में जुटे सपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके बताए समाजवादी रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा प्रदेश सचिव असलम जावेद अंसारी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का पूरा जीवन संघर्ष, सादगी और जनसेवा का प्रतीक रहा है। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर उन्होंने अपनी मेहनत और संघर्ष के दम पर प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी अलग पहचान बनाई। वर्ष 1967 में पहली बार विधायक बनने के बाद उन्होंने लगातार जनता के बीच रहकर राजनीति में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। वे दस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य और सात बार लोकसभा सांसद चुने गए। उन्होंने कहा कि नेताजी ने वर्ष 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की और तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उनके कार्यकाल में किसानों, युवाओं, गरीबों और छात्र-छात्राओं के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। किसानों की कर्जमाफी, चुंगी कर समाप्त करने, बेरोजगारी भत्ता और कन्या विद्या धन जैसी योजनाओं को उन्होंने जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।असलम जावेद अंसारी ने कहा कि देश के रक्षा मंत्री के रूप में भी मुलायम सिंह यादव ने भारतीय सेना के जवानों के सम्मान को प्राथमिकता दी। उन्होंने कार्यकताओं से नेताजी के विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने और सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन पर कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। इस दौरान राशिद मलिक मम्मा, भूरा वारसी, वेदराम सागर, नफीस सैफी, अलताफ अंसारी, तौहीद अहमद, साहिल, अनस अंसारी, समीर, अमान, आरिफ, इंतजार सैफी, बाबू सैफी, शफीक अंसारी, चित्रप्रकाश सागर, रजत कुमार, नदीम बिल्लू, चोना खान, इरशाद मंसूरी, साजिद मंसूरी, उमेशपाल और श्यामवीर यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वायु प्रदूषण और धूम्रपान से कमजोर हो रहे फेफड़े, 650 लोगों की हुई जांच

ब्रेथ ईजी हॉस्पिटल का तीन दिवसीय निशुल्क मोबाइल श्वसन जांच शिविर संपन्न, 150 लोगों में मिली सांस संबंधी गंभीर शिकायतें

वेलकम इंडिसा/संतोष कुमार सिंह





वाराणसी। शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण और उससे होने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से ब्रेथ ईजी हॉस्पिटल (अस्सी/रामनगर) की ओर से विश्व सीओपीडी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क मोबाइल श्वसन जांच शिविर संपन्न हो गया। 18, 19 और 20 अक्टूबर को आयोजित इस अभियान के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 650 नागरिकों के फेफड़ों की कार्यक्षमता की वैज्ञानिक जांच की गई। जांच में 150 लोगों में सांस संबंधी गंभीर शिकायतें सामने आईं और उनके फेफड़ों की कार्यक्षमता सामान्य से कमजोर पाई गई। अस्पताल के चिकित्सकों ने इन लोगों को उचित चिकित्सकीय परामर्श और उपचार कराने की सलाह दी। शिविर के दौरान सामने आए आंकड़ों और वायु गुणवत्ता पर चिंता जताते हुए डॉ. एसके पाठक ने बताया कि जांच अभियान के तीन दिनों में वाराणसी का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) औसतन 250 से 350 के बीच दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि शहर की खराब वायु गुणवत्ता लोगों के श्वसन तंत्र को प्रभावित कर रही है। प्रदूषित हवा के लगातार संपर्क में रहने से गले में खराश, लगातार खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा अथवा सीओपीडी से पीड़ित मरीजों को विशेष सावधानी बरतने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की जरूरत है। डॉ. स्वप्निल पाठक ने बताया कि शिविर में धूम्रपान करने वाले लोगों में भी सांस संबंधी शिकायतें और फेफड़ों की कमजोर कार्यक्षमता के मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि धूम्रपान की लत फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने लोगों से इस आदत को छोड़ने की अपील करते हुए संदेश दिया, लत मारो लात, तभी बनेगी बात। डॉ. पाठक ने नागरिकों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचने के लिए घर से बाहर निकलते समय अच्छी गुणवत्ता वाला एन-95 मास्क पहनने, प्रदूषण अधिक होने पर खुले में व्यायाम और टहलने से बचने तथा घर के अंदर हल्का योग करने की सलाह दी। उन्होंने धूम्रपान, धूल और घर के अंदर होने वाले धुएं से दूरी बनाए रखने पर भी जोर दिया। साथ ही अस्थमा और सीओपीडी के मरीजों को डॉक्टर की सलाह के अनुसार इनहेलर और दवाओं का नियमित इस्तेमाल करने तथा सांस फूलने या खांसी बढ़ने पर विशेषज्ञ से संपर्क करने की सलाह दी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि जनहित में भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता अभियान और निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि लोगों को श्वसन संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा सके और समय रहते उनकी पहचान हो सके। चिकित्सकों ने कहा कि फेफड़ों की सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य में गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है। सांस लेने में परेशानी, लंबे समय तक खांसी, सीने में जकड़न और जल्दी थकान महसूस होने जैसे लक्षणों को सामान्य समझकर टालना नहीं चाहिए। समय रहते जांच कराने से बीमारी की पहचान और उपचार में मदद मिल सकती है।

दो दिन में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए मिले 14,209 आवेदन

विशेष अभियान दिवस पर 7,279 फॉर्म-6 प्राप्त, अधिकारियों ने बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ को दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुलंदशहर। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के तहत जनपद की सातों विधानसभा क्षेत्रों में 21 और 22 नवंबर को आयोजित विशेष अभियान दिवसों में मतदाता पंजीकरण को लेकर उत्साह देखने को मिला। दोनों दिनों में कुल 14,209 फॉर्म-6 प्राप्त हुए, जिन्हें बीएलओ द्वारा डिजिटाइज किया गया। 22 नवंबर को जनपद के सभी 3,032 मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ, पदाभिहित अधिकारी और सुपरवाइजर उपस्थित रहे। मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित की गईं। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (वित्त/राजस्व) ने 64-सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रेम इंटर कॉलेज स्थित बूथ संख्या 35 से 40 तथा 65-बुलंदशहर विधानसभा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय कुडवल बनारस स्थित बूथ संख्या 126 व 127 का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी बीएलओ और सुपरवाइजर उपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बीएलओ को निर्देश दिए कि छूटे हुए सभी पात्र मतदाताओं के फॉर्म-6 भरवाकर उनका नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज कराया जाए। विशेष रूप से 18-19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं और महिला मतदाताओं का अधिक से अधिक पंजीकरण कराने पर जोर दिया गया। साथ ही प्राप्त फॉर्म-6, 7 और 8 को उसी दिन बीएलओ ऐप पर डिजिटाइज करने, ऑनलाइन प्रविष्टि में त्रुटि न करने और प्रत्येक आवेदक को पावती उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। 22 नवंबर को सिकंदराबाद में 865, बुलंदशहर में 987, स्याना में 972, अनूपशहर में 1,093, डिबाई में 945, शिकारपुर में 1,504 तथा खुर्जा में 913 फॉर्म-6 प्राप्त हुए। इस दिन कुल 7,279 आवेदन मिले।

वहीं 21 नवंबर को सिकंदराबाद में 993, बुलंदशहर में 918, स्याना में 826, अनूपशहर में 766, डिबाई में 859, शिकारपुर में 1,561 तथा खुर्जा में 1,007 फॉर्म-6 प्राप्त हुए थे। इस दिन कुल 6,930 आवेदन डिजिटाइज किए गए। इस प्रकार दो दिनों में सातों विधानसभा क्षेत्रों से कुल 14,209 फॉर्म-6 प्राप्त हुए। इनमें शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक आवेदन दर्ज किए गए। अधिकारियों ने अभियान के दौरान पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए बीएलओ को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए।

सपा जिला कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई मुलायम सिंह यादव की जयंती

सपाइयों ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया नमन, समाजवादी विचारधारा और उनके संघर्षों को किया याद

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



बुलंदशहर। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, समाजवादी विचारधारा के पुरोधा एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर बुलंदशहर स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पहुंचकर नेताजी मुलायम सिंह यादव को शत-शत नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। कार्यक्रम में मौजूद ठाकुर संदीप सिंह राघव, विधानसभा शिकारपुर ने भी नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन संघर्ष, राजनीतिक योगदान तथा समाजवादी विचारधारा को याद किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्ष, सादगी, जनसेवा और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उन्होंने हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को बुलंद किया। उनका राजनीतिक जीवन आम जनता के हितों के लिए किए गए संघर्षों से भरा रहा। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। वक्ताओं ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। उनके द्वारा स्थापित राजनीतिक आदर्श और सिद्धांत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। उनके संघर्षपूर्ण जीवन से समाजवादी पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को जनसेवा और संगठन के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने नेताजी के बताए रास्ते पर चलने तथा समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक जीवन संघर्ष, अनुभव और जनसेवा की मिसाल रहा है। उन्होंने राजनीति को हमेशा आम जनता की समस्याओं और जरूरतों से जोड़कर देखा। उनके नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन को नई पहचान मिली और पार्टी ने गांव, गरीब तथा वंचित वर्गों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में नेताजी के विचारों और उनके सामाजिक न्याय के संदेश को आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है।

एक दशक जिसने भारत में गरीबी की तस्वीर बदल दी: निर्मला सीतारमण

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



एक साल पहले जब मैं नगालैंड के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में बसे आकांक्षी जिले किफिरे के दौरे पर गई थी, तब वहां स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी आदिवासी महिलाओं से संवाद करने का अवसर मिला। उन्हीं में एक 'लखपति दीदी' भी थीं। उन्होंने बड़े गर्व से बताया कि मोटे अनाज से बने उनके उत्पाद अब ऑनलाइन माध्यम से नगालैंड की सीमाओं से निकलकर देश के दूर-दराज के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। उनके भीतर बेहतर भविष्य को लेकर जो आत्मविश्वास था, वह मेरे मन में बस गया। मैंने उनसे कहा कि वे और बड़े सपने देखें और करोड़पति दीदी बनने का लक्ष्य रखें। उनकी कहानी उस बड़े बदलाव की बानगी है, जो आज देश के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। जहां कभी भौगोलिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण अवसर सीमित थे, वहां अब नई उम्मीदें आकार ले रही हैं।

पिछले दिनों जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी और समानता पर अपनी ताजा रिपोर्ट जारी की, तो मुझे किफिरे की वह मुलाकात फिर याद आ गई। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी के दायरे से बाहर निकले हैं और देश में अत्यधिक गरीबी लगभग समाप्त होने के स्तर पर पहुंच गई है। ये आंकड़े उस बदलाव की गवाही देते हैं, जिसे मैंने स्वयं जमीन पर महसूस किया था।

क दौर था, जब हालात बिल्कुल अलग थे। आजादी के छह दशक बाद भी बड़े पैमाने पर गरीबी उन्मूलन एक अधूरा सपना बना हुआ था। वर्ष 2010 के दशक की शुरूआत में भारत को ऐसे देश के रूप में देखा जाता था, जहां अभाव स्थायी चुनौती बने हुए थे। स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ ईंधन और बैंकिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं आम आदमी की पहुंच से दूर थीं। तब यह मान लिया गया था कि गरीबों को कुछ नकद सहायता देने से गरीबी अपने आप समाप्त हो जाएगी। लेकिन बीते एक दशक में इस सोच में व्यापक बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने तात्कालिक राहत के बजाय गरीबी की जड़ों पर प्रहार करने का रास्ता चुना। अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाते हुए हर परिवार की वास्तविक जरूरतों को समझा गया और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

गरीबी का अर्थ केवल कम आमदनी नहीं है। यदि किसी परिवार के पास पक्की छत, स्वच्छ पेयजल, शौचालय या इलाज की सुविधा नहीं है, तो आय बढ़ने के बावजूद उसका जीवन असुरक्षित रह सकता है। गंभीर बीमारी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त कर उसे दोबारा गरीबी के गर्त में धकेल सकती है।

इसी सोच के तहत सरकार ने योजनाओं को लोगों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप तैयार किया और उनके ठोस परिणामों पर जोर दिया। लाभार्थियों की सही पहचान, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम घर तक लाभ पहुंचाने की निरंतर निगरानी को प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं योजनाओं की समीक्षा की, बाधाओं को दूर किया और पारदर्शिता के लिए तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया। इसी निरंतरता ने सरकारी योजनाओं को आम लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव का माध्यम बनाया। कोई भी परिवार तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक बीमारी और रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतों की चुनौतियां उसकी ऊर्जा और संसाधनों को खर्च करती रहें। स्वच्छ भारत अभियान के तहत घर-घर शौचालयों का निर्माण केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे लोगों को सम्मान और बेहतर स्वास्थ्य का आधार मिला।

जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण घरों तक नल से जल का कनेक्शन पहुंचाने का दायरा वर्ष 2019 के लगभग तीन करोड़ घरों से बढ़कर करीब 16 करोड़ घरों तक पहुंच गया। इससे महिलाओं और बेटियों को पानी लाने के लिए मीलों पैदल चलने की मजबूरी से राहत मिली। साथ ही जलजनित बीमारियों का खतरा कम करने में भी मदद मिली। इसी तरह उज्ज्वला योजना ने रसोई को धुएं से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीब परिवारों को पक्के घर की सुरक्षा और गरिमा प्रदान की। वहीं आयुष्मान भारत के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा ने गंभीर बीमारियों के महंगे उपचार से परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का काम किया। इन योजनाओं ने मिलकर ऐसा सुरक्षा चक्र तैयार किया, जिसने परिवारों के घरेलू खर्च को कम करने, काम के लिए समय बचाने और दोबारा गरीबी में फिसलने के जोखिम को घटाने में मदद की।

सामाजिक सुरक्षा परिवारों को सहारा देती है, लेकिन आर्थिक रूप से आगे बढ़ने के लिए आजीविका के अवसर भी जरूरी हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए बैंक खाता खुलवाना कभी एक कठिन सपना हुआ करता था। आम धारणा थी कि सरकारी खजाने से निकला एक रुपया लाभार्थी तक पहुंचते-पहुंचते बहुत कम रह जाता है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) ने इस व्यवस्था को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज 59 करोड़ से अधिक जनधन खातों के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रही है। तकनीक ने बिचौलियों की भूमिका कम करने, पारदर्शिता बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद की है। बैंक खातों ने लोगों में बचत की आदत विकसित की और उनका वित्तीय रिकॉर्ड तैयार करने में भी भूमिका निभाई। इससे उन लोगों के लिए संस्थागत ऋण के रास्ते खुले, जिनके पास गिरवी रखने के लिए संपत्ति नहीं थी। छोटे कारोबारियों और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के नए अवसर मिले। मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बातचीत के दौरान मुझे पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दवान की सुष्मिता घराई की कहानी याद आती है। कोरोना महामारी में पिता को खोने के बाद उनके परिवार का प्रिंटिंग व्यवसाय लगभग ठप हो गया था। न जमीन थी और न सोना, लेकिन बिना गारंटी वाले मुद्रा ऋण ने उन्हें अपना प्रिंटिंग प्रेस दोबारा खड़ा करने की ताकत दी। आज वह आठ लोगों को रोजगार दे रही हैं और अपने व्यवसाय का विस्तार करने की तैयारी कर रही हैं। उनकी कहानी उन करोड़ों युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतीक है, जिनके हौसले उनके सीमित संसाधनों से कहीं बड़े हैं।

अब तक मुद्रा योजना के तहत 60 करोड़ से अधिक ऋण खाते स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें करीब दो-तिहाई लाभार्थी महिलाएं हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री स्वनिधि और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जैसी योजनाएं रेहड़ी-पटरी वालों तथा पारंपरिक कारीगरों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती देने में मदद कर रही हैं। इस आर्थिक बदलाव की धुरी देश की महिलाएं भी हैं। आज दस करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और अन्य पहलों के माध्यम से ये समूह बचत, कौशल विकास और उद्यमिता के मजबूत मंच बन चुके हैं। 3.7 करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और अनेक महिलाएं करोड़पति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। वहीं नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षित महिलाएं खेती में ड्रोन के माध्यम से आधुनिक सेवाएं दे रही हैं। जो महिलाएं कभी आर्थिक गतिविधियों की मुख्यधारा से दूर थीं, वे आज स्वयं रोजगार पैदा करने वाली उद्यमी बन रही हैं।

पीढ़ियों तक यह मान लिया गया था कि भारत में गरीबी को केवल नियंत्रित किया जा सकता है, पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। लेकिन पिछले एक दशक के प्रयासों ने इस सोच को चुनौती दी है। जो बदलाव कभी असंभव लगता था, वह आज निरंतर प्रयासों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव होता दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह ठहरने का समय नहीं है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभी कई चुनौतियों का सामना करना है। अगला चरण यह सुनिश्चित करना है कि विकास की सीढ़ी के सबसे निचले पायदान पर खड़े परिवारों और बच्चों को भी गरीबी से बाहर निकलने का अवसर मिले। सामाजिक सुरक्षा के साथ वित्तीय सेवाओं, बाजार और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक आम लोगों की पहुंच और व्यापक बनानी होगी। सरकार रोजगार से जुड़े प्रोत्साहनों, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के माध्यम से शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत संबंध बनाने का प्रयास कर रही है। आधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश देश को नई गति दे रहा है। अब विकास के अवसर कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित न रहकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचने चाहिए। प्रधानमंत्री का कहना है कि आजादी की तरह विकसित भारत भी ऐसा संकल्प है, जिसे हर देशवासी को अपना लक्ष्य बनाना होगा। 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति और संकल्प से वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकता है। पिछले छह दशकों से अधूरे रहे लक्ष्य को पूरा करने के बाद भारत अब अगले दो दशकों की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा रहा है।

मुलायम सिंह की जयंती पर निकली कैंट परिवर्तन यात्रा, साइकिल चलाकर पहुंचे एमएलसी आशुतोष सिन्हा



वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती पर समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव और 390 कैंट विधानसभा क्षेत्र से प्रबल दावेदार रजत वाल्मीकि के नेतृत्व में कैंट परिवर्तन यात्रा निकाली गई। यात्रा में मुख्य अतिथि स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने स्वयं साइकिल चलाकर भागीदारी की।

यात्रा भेलूपुर स्थित समाजवादी पार्टी के महानगर कैंप कार्यालय से शुरू होकर मलदहिया चौराहे पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तक पहुंची। इसमें करीब 80 से 100 साइकिल सवार समाजवादी कार्यकताओं और युवाओं ने हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान कार्यकताओं ने समाजवादी नारों के साथ कैंट विधानसभा क्षेत्र में परिवर्तन का संदेश दिया। आयोजकों के अनुसार, यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र में परिवर्तन की आवाज बुलंद करने, समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी राजनीतिक संघर्ष के लिए संगठन की एकजुटता एवं ताकत का प्रदर्शन करना था। पूरे आयोजन के दौरान कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष हारुन अंसारी, छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव रिजवान खान, महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव आरती यादव, नसीम अंसारी, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विवेक जोसेफ, कैंट विधानसभा के पूर्व प्रभारी अमन यादव, लोहिया वाहिनी कैंट विधानसभा अध्यक्ष अंकित यादव, यूथ ब्रिगेड कैंट विधानसभा अध्यक्ष साहिल खान, यूथ ब्रिगेड के महासचिव राजा बाबू विश्वकर्मा, अब्दुल्ला शाहिद, शाहीन अंसारी, रामनगर के जोन प्रभारी विनोद यादव, शान केसरी, सामने घाट के सेक्टर जोन प्रभारी राधेश्याम यादव, आकाश सोनकर और पंकज मौर्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। यात्रा के समापन पर कार्यकताओं ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन और समाजवादी विचारधारा को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नेताजी ने हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं, पिछड़ों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाजवादी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यकताओं ने कहा कि नेताजी ने हमेशा किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों के लिए संघर्ष करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नेताजी ने हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं और पिछड़ों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाजवादी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यकताओं ने कहा कि कैंट विधानसभा क्षेत्र में संगठन को और मजबूत करने तथा जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए लगातार अभियान चलाए जाएंगे। यात्रा के माध्यम से कार्यकताओं ने एकजुट होकर जनता के बीच सक्रिय रहने का संदेश दिया।

युवाओं की भागीदारी से कार्यकताओं में उत्साह

कैंट परिवर्तन यात्रा में युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया। साइकिलों के साथ निकले कार्यकताओं ने पूरे रास्ते समाजवादी विचारधारा और संगठन की एकजुटता का संदेश दिया। यात्रा में शामिल नेताओं और पदाधिकारियों ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां हमेशा आम आदमी, किसान, मजदूर, नौजवान और कमजोर वर्गों के हितों को केंद्र में रखती हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझें और समाधान के लिए आवाज उठाएं। इस तरह संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का प्रयास किया

मोदी ग्लोबल स्कूल का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न

बच्चों की मासूम अदाओं और उत्साह ने दर्शकों को कर दिया मंत्र मुग्ध

अनिल वशिष्ठ





मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के. एन .मोदी ग्लोबल स्कूल मोदी नगर के जागृति मैदान में भारतीय संस्कृति के मूल से जोड़ने वाले 'वार्षिकोत्सव' का भव्य आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉक्टर डी.के .मोदी उपस्थित रहे उनके साथ ही के.एन .मोदी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर पी.एन. ऋषिकेशा , मोदी फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर दीपांकर शर्मा, रजिस्ट्रार यू.एन . मिश्रा ग्लोबल स्कूल के एकेडमिक एडवाइजर डॉ नेत्रपाल सिंह एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे । सर्वप्रथम विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा शर्मा ,उप प्रधानाचार्या रितु अग्रवाल, टैक्सटाइल्स ब्रांच की हेडमिस्ट्रेस सपना खुराना एवं अंजू भूटानी ने अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ इसके पश्चात अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा शर्मा ने अपने स्वागत भाषण में विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियां विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं विद्यालय की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ नर्सरी के नन्हे - मुन्ने बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति 'मिकी एंड मिनी 'से हुई बच्चों की मासूम अदाओं और उत्साह ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं गणमान्य लोगों के स्वागत एवं गुब्बारे उड़ान के पश्चात उन्हें 'टोकन ऑफ लव' देकर सम्मानित किया । इसके पश्चात विद्यार्थियों ने इट्स मैजिक, टुकुर-टुकुर ,आज की पार्टी, झूम बराबर झूम जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों ने मंच पर रंग जमा दिया ।इन प्रस्तुतियों में बच्चों की ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने योग्य था ।तत्पश्चात 'ग्रैंड फिनाले 'एवं 'लैंप लाइटिंग' सेरेमनी के माध्यम से समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की गई । इसके उपरांत गणेश वंदना ने भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की । भक्ति एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत को दशार्ती प्रस्तुतियों में योग, भक्त प्रहलाद , शिवा , होली, राजस्थानी ,बंगाली ,पंजाबी आदि कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे । इसके अतिरिक्त 'आर्मी एक्ट' एवम यू.वी. जैसे नृत्य ने देशभक्ति ,अनुशासन एवं राष्ट्र प्रेम की भावना का संचार किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने बच्चों के आत्मविश्वास एवं प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करना भी है । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की उप प्रधानाचार्य रितु अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया । उन्होंने मुख्य अतिथि के साथ सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों , विभिन्न संस्थाओं के आए प्रधानाचार्यों ,विद्यालय के कोऑर्डिनेटर्स,शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी विभागों एवं सहयोगी सदस्यों के कार्यों की सराहना की । मंच का संचालन काशवी , यथार्थ,और अनन्या ने किया। समस्त कार्यक्रम एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशिमा त्यागी के निर्देशन में हुआ। अंत में राष्ट्रगान के साथ इस भव्य एवं यादगार समारोह का समापन हुआ।

कोई भी पात्र मतदाता वोट से वंचित न रहे, मतदाता पंजीकरण अभियान में जुटे ललित त्यागी सभासद



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम दर्ज कराने एवं कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे, इस उद्देश्य से सभासद वार्ड 29 ललित त्यागी एडवोकेट ने मतदाता पंजीकरण एवं सत्यापन अभियान के अंतर्गत आज आदर्श नगर स्थित पी.बी.ए.एस. कन्या इंटर कॉलेज में उपस्थित रहकर क्षेत्रवासियों की सहायता की। बूथ संख्या 164 से 169 के अंतर्गत आदर्श नगर, राजेंद्र नगर, पटेल नगर एवं सौदा रोडझदेव नगर के निवासियों के मतदाता सूची सत्यापन, नए वोट बनवाने एवं पंजीकरण संबंधी कार्यों में सहयोग किया गया। इस दौरान पात्र नागरिकों के नए मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन कराए गए तथा मतदाता सूची में अपना नाम चेक करने के लिए जागरूक किया गया। ललित त्यागी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी पात्र नागरिक अपनी वोट अवश्य चेक करें और यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, तो समय रहते अपना पंजीकरण कराएं। लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से सुनिश्चित होती है और मतदान हमारा अधिकार होने के साथ-साथ जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि वार्ड का कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे।

राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में छठी अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

'ए. ई. सी. ई. - 2026' का समापन

#वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। आरकेजीआईटी में आई. ई. ई. ई. द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय ₹एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रॉनिक्स & कम्युनिकेशन₹ विषय पर छठी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 20-21 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. लियोंग वाई यी (आई. एन. टी. आई. इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया), डॉ. गोविंद शरण यादव (नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी, ताइवान) ने शोधार्थियों को शोध करने के लिए प्रेरित किया तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कैरियर कैसे बनाएं, पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस संगोष्ठी में डॉ. एम. ए. अंसारी (ऑब्जर्वर, आई. ई. ई. ई. यू. पी. सेक्शन, जी. बी. यू, ग्रेटर नोएडा), डॉ. मनोज कुमार (डी. टी. यू, दिल्ली), डॉ. महेश अबेगांवकर (आई. आई. टी, दिल्ली) ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में शोधकताओं ने 20-21 नवंबर को शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया, जिनका प्रकाशन आई ई ई ई एक्सप्लोर में किया जाएगा। संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम में वेलिडिक्टरी सेशन के मुख्य अतिथि श्री सुधाकर यादव (जोनल हेड- टाटा पावर कंपनी लि.), संस्थान के ग्रुप एडवाइजर डॉ लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान एवं डायरेक्टर डॉ बी.सी. शर्मा ने माला सी वी, सुरेंद्रन आर, आर एम गोमती, तमिलविझी टी पनिमलर, अंकुर उत्सव, सचिन कुमार, आशीष गुप्ता एवं कुचिमांची को सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए सम्मानित किया। संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने संयोजक डॉ आर के यादव एवं डॉ अमित सिंघल तथा विभाग के सभी सदस्यों को बहुत शुभकामनाएं दी एवं सभी सम्मानित अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. नेहा गोयल, डॉ. शमीर्ला, डॉ. गगनजोत कौर, निधि मल्होत्रा, देवेश गर्ग, हस्मत उस्मानी, डॉ. रोबिन अब्राहम, डॉ. के. पी. जयंत, डॉ प्रमोद सागर, सचिन त्यागी, दीपक कुमार, प्रियंका त्यागी, दीप्ति गंगवार आदि ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसएसआर अभियान में बूथों पर पहुंचे एडीएम विकास कश्यप, बीएलओ को दिए जरूरी निर्देश



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के तहत रविवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस पर एडीएम (नगर) एवं विधानसभा क्षेत्र 57 मोदीनगर के प्रवेक्षक विकास कश्यप ने विभिन्न मतदेय स्थलों और बूथों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद बीएलओ से मतदाता पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विकास कश्यप ने बीएलओ को बीएलओ ऐप में किए गए नवीन बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने एसएसआर टाइल के अंतर्गत इलेक्टर फोटो क्वालिटी चेक और करेक्शन ऑफ रॉन्ग एंट्रीज की नई सुविधाओं के प्रभावी इस्तेमाल पर जोर दिया।

उन्होंने निर्देश दिए कि इन सुविधाओं के माध्यम से मतदाता सूची में दर्ज फोटो की गुणवत्ता की जांच की जाए तथा गलत प्रविष्टियों को चिह्नित कर आवश्यक संशोधन किया जाए।

इसके साथ ही मतदाता सूची में जेंडर रेशियो पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि पुनरीक्षण कार्य को त्रुटिरहित और प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

रेलवे के विशाल तंत्र पर भारी राकेश कुमार शर्मा का सेवा-संकल्प, 1,991 यात्रियों को लौटाया खोया सामान





वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के विशाल तंत्र के बीच नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सेवानिवृत्त स्टेशन मैनेजर राकेश कुमार शर्मा ने अपने सेवा-भाव से अलग पहचान बनाई है। उन्होंने रेलवे सेवा के दौरान 1,963 मामलों में यात्रियों का खोया सामान उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने में मदद की। 31 जनवरी 2026 को सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनका अभियान जारी रहा और उन्होंने 28 अन्य मामलों में यात्रियों की सहायता की। इस तरह अब तक कुल 1,991 मामलों में वे यात्रियों की मदद कर चुके हैं। वर्ष 1990 में रेलवे सेवा शुरू करने वाले शर्मा ने यात्रियों का सामान तलाशने के लिए पीएनआर, आरक्षण चार्ट, ट्रेन, कोच और सीट की जानकारी के साथ सीसीटीवी तथा सामाजिक माध्यमों की भी मदद ली। कई बार सरपंच, सहकर्मियों और पेंट्रीकार कर्मचारियों के सहयोग से सामान यात्रियों के गंतव्य तक पहुंचाया। उनकी इस पहल से देश के विभिन्न राज्यों के यात्रियों के अलावा 18 देशों के 42 विदेशी यात्रियों को भी उनका खोया सामान वापस मिला। उनके कार्यों की खबरें ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के मीडिया में भी प्रकाशित हुईं। यात्रियों की सेवा के लिए उन्हें आठ डीआरएम पुरस्कारों सहित अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2023, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और राष्ट्रीय गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार मिले। एनडीटीवी ने उन्हें 'रेलवे मसीहा' और 'संकटमोचक' की उपाधि देते हुए एक लाख रुपये का चेक भी प्रदान किया। राकेश कुमार शर्मा का संदेश है– 'हर यात्री का सामान, हर हाल में उसके पास।' उनकी कहानी बताती है कि नौकरी समाप्त हो सकती है, लेकिन सच्चा सेवा-भाव कभी सेवानिवृत्त नहीं होता।

राष्ट्रीय लोकदल अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ के द्वारा संगठन विस्तार किया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। विधानसभा मोदीनगर के भूपेंद्र पुरी गली नंबर 4 अंबेडकर भवन में रविवार को राष्ट्रीय लोकदल अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ के द्वारा संगठन विस्तार किया गया। जिसमें अमित कुमार को जिला अध्यक्ष और पूर्व में जिला अध्यक्ष रहे नरेंद्र कुमार को क्षेत्रीय महासचिव बनाया गया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार, वरिष्ठ नेता इंद्रजीत सिंह टीटू, सत्येंद्र तोमर, राम भरोसे मौर्य, ललित सेन, ओ डी त्यागी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद पुलिस की विशेष पहल, बुजुर्गों से घर पहुंचकर किया संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। पुलिस आयुक्त के निदेर्शानुसार 22 नवंबर को संचालित अभियान के तहत सहायक पुलिस आयुक्तों ने अपने-अपने क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान बुजुर्गों से उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों को पुलिस हेल्पलाइन, आपातकालीन सेवाओं और सुरक्षा संबंधी उपायों की जानकारी देकर जागरूक भी किया। गाजियाबाद पुलिस ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण प्राथमिकता है। उनके साथ निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखकर सुरक्षा एवं विश्वास की भावना मजबूत की जाएगी।

भाजपा नेता संजय त्यागी ने बीएलओ के साथ बैठकर पुनरीक्षण कार्यक्रम में किया सहयोग



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला मंत्री एवं वरिष्ठ नेता संजय त्यागी ने रविवार अपने नगर पंचायत निवाड़ी बूथ नंबर 57 पर बीएलओ के साथ बैठकर मतदाता सूची चेक कर बाकी वोट बनवाने का कार्य किया। संजय त्यागी ने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम - 2027 के अंतर्गत विशेष अभियान दिवस पर सभी को पर बूथों पर जाकर अपनी वोट चेक करनी चाहिए तथा जिन लोगों की वोट नहीं बनी है वह नहीं वोट बनवाने का कार्य करें। बच्चे जनवरी 2027 में 18 वर्ष के होने को है उनकी वोट बनवाने के लिय प्रेरित किया।

32 वीं जनपद स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का आयोजन

विज्ञान प्रदर्शनी में जिले के लगभग 30 स्कूलों के 50 गाइड टीचर 200 छात्रों ने भाग लिया

- युवा बाल वैज्ञानिक अपनी उर्जा जुनून ,व क्षमता से विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं - जिला विद्यालय निरीक्षक

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस भारत सरकार की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का एक सर्वोच्च कार्यक्रम है जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक गाजियाबाद बुद्ध प्रिय सिंह व डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वयक डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल के निर्देशन में 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का जनपदीय आयोजन एमिटी इंटरनेशनल स्कूल वसुंधरा सेक्टर 6 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता आठले और जिला समन्वयक डॉक्टर सतीश अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी बाल वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी अपने ऊर्जा और क्षमता और जुनून से विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं। जिला समन्वयक व प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष की राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 ₹टिकाऊ पन के लिए विज्ञान और नवाचार₹ विषय रखा गया है। जिसके पांच उप विषय अपशिष्ट प्रबंधन,जल प्रबंधन ऊर्जा कृषि और स्वास्थ्य, भारतीय ज्ञान पद्धति इन विषयों पर छात्र स्थानीय समस्या को चुनकर उन पर शोध पत्र प्रस्तुत करते हैं राष्ट्रीय बाल विज्ञान में दो ग्रुप सीनियर और जूनियर जूनियर ग्रुप में 10 वर्ष से 14 वर्ष और सीनियर ग्रुप में 14 वर्ष से 17 आयु वर्ष के छात्र भाग ले सकते हैं इस प्रदर्शनी में इस जनपद के सीबीएसई और यूपी बोर्ड के 30 स्कूलों के 200 छात्र ओर लगभग 50 गाइड टीचर्स ने प्रतिभाग किया। छात्रों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया निर्णायक मंडल ने सभी की भूरि भूरि प्रशंसा की निर्णायक मंडल में तरुण जैन स्टार्टस अप विशेषज्ञ, श्रीमती रुचि मिश्रा निर्देशक ,डॉ मोनिका त्यागी कॉलेज प्रोफेसर ,डॉक्टर मुकुल कुमार गांधी अवकाश प्राप्त शिक्षा अधिकारी ,श्रीमती रोलीकोटवाल आईटी प्रोफेशनल आईबीएम, श्रीमती हरप्रीत कौर सैनी कंप्यूटर विज्ञान विशेषज्ञ ,डॉक्टर कमलजीत पेटेंट सेल विशेषज्ञ ,राजीव कुमार प्रवक्ता के एन मोदी कॉलेज ने सभी के प्रोजेक्ट की बारीकी से जांच की ।एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 6 वसुंधरा सफायर इंटरनेशनल स्कूल डीपीएस राज नगर एक्सटेंशन एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 1 वसुंधरा सेंट टेरेसा स्कूल इंदिरापुरम डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद आदि स्कूल के बाल वैज्ञानिकों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जनपद स्तर पर चुने गए शोध पत्र प्रदेश स्तरीय आयोजन जो एक दो तीन दिसंबर को गौतम बुद्ध नगर में होगा उसमें अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। प्रदर्शनी को सफल बनाने में नोडल कोऑर्डिनेटर श्रीमती अंशु खन्ना श्रीमती पूजा बोहरा श्रीमती आंचल श्रीमती मोनिका भट्ट,आशीष जैन आदि का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

हवाई हमले का सायरन बजते ही मचा अलर्ट, राजनगर एक्सटेंशन में ब्लैक आउट मॉकड्रिल से परखी गई आपातकालीन तैयारियां

वेलकम इंडिया संवाददाता







गाजियाबाद। जनपद में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए रविवार को राजनगर एक्सटेंशन स्थित रिवर हाइट्स सोसायटी में नागरिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में सिविल डिफेंस एयर रेड एवं ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। इस दौरान हवाई हमले की काल्पनिक स्थिति बनाकर सायरन बजाया गया और विद्युत आपूर्ति बंद कर ब्लैक आउट का अभ्यास कराया गया। मॉकड्रिल में एनडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपात सेवा, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, नागरिक सुरक्षा, एनसीसी और एनएसएस सहित विभिन्न विभागों की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। अभ्यास के दौरान अग्निशमन कर्मियों ने फायर टेंडर से आग बुझाने, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने अग्निशमन उपकरणों का इस्तेमाल करने, घायलों को प्राथमिक उपचार देने और एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया। इसके अलावा ध्वस्त भवन में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन भी किया गया। मॉक एक्सरसाइज के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, संचार व्यवस्था और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की क्षमता का परीक्षण किया गया। समापन पर अधिकारियों ने सभी विभागों की कार्यवाही की समीक्षा कर तैयारियों का जायजा लिया।

मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए डीएम ने संभाली कमान, कई बूथों का किया औचक निरीक्षण

बेहतर काम करने वाले बीएलओ होंगे सम्मानित, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मिलेगा पुरस्कार








वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के तहत जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने रविवार को जनपद के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इंदिरापुरम के सुपरटेक आइकॉन, न्याय खंड-1, गौर ग्रीन एवेन्यू, अभय खंड-2 और राजनगर एक्सटेंशन स्थित रिवर हाइट्स रोड व सहानी खुर्द के बूथों पर पहुंचकर बीएलओ से नए मतदाताओं के पंजीकरण और नामों में संशोधन की प्रगति जानी।

डीएम ने निर्देश दिए कि पात्र नागरिकों का नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, अपात्र एवं मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन के लिए फॉर्म-8 का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने बीएलओ को voters.eci.gov.in वेबसाइट और ECINET App के प्रति आमजन को जागरूक करने के निर्देश भी दिए, ताकि अधिक से अधिक लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकें।

डीएम ने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा करने वाले बीएलओ को सम्मानित और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान ईआरओ/एसडीएम सदर अजीत कुमार सिंह, एईआरओ आशीष सिंह, जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजनगर एक्सटेंशन में बन रहा गाजियाबाद पुलिस का नया मुख्यालय

पुलिस आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर परखी निर्माण की रफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन के नंदग्राम क्षेत्र में निमार्णाधीन नए पुलिस मुख्यालय का पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने निर्माण कार्यों की विभिन्न गतिविधियों को देखा तथा अधिकारियों से कार्य की प्रगति के संबंध में चर्चा की। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी, पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल और सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद मौजूद रहे। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी की टीम भी मौके पर उपस्थित रही। पुलिस मुख्यालय का निर्माण पूरा होने के बाद कमिश्नरेट की प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था को एक स्थान पर संचालित करने के लिए आधुनिक आधारभूत ढांचा उपलब्ध होगा।

जल जीवन मिशन से अमीरपुर बड़ायाला के 503 परिवारों को मिली नल से जल की सौगात




कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जल जीवन मिशन के तहत भोजपुर ब्लॉक के अमीरपुर बड़ायाला गांव में 503 परिवारों को नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शनिवार को गांव में जलार्पण कार्यक्रम आयोजित कर पेयजल योजना ग्रामीणों को समर्पित की गई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि, जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (डीपीएमयू) की टीम और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। योजना के शुरू होने से ग्रामीणों को पानी के लिए दूसरे स्त्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। घरों तक नल से पानी पहुंचने से विशेष रूप से महिलाओं को राहत मिलेगी और उनका समय भी बचेगा। कार्यक्रम में ग्रामीणों को योजना के संचालन, रखरखाव और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अधिशासी अभियंता जयपाल सिंह ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के साथ योजनाओं को लंबे समय तक सुचारु बनाए रखना भी है। उन्होंने ग्रामीणों से पानी का सदुपयोग करने और नल कनेक्शन, पाइपलाइन सहित पेयजल परिसंपत्तियों की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता की हत्या, ससुर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना मसूरी पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों और एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर 2026 को पीड़ित पक्ष की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी कि ससुराल पक्ष के लोग विवाहिता से अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। शिकायत के आधार पर थाना मसूरी में धारा 80(2), 85 बीएनएस और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। इसी क्रम में 22 नवंबर को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुकदमे में वांछित राजकुमार पुत्र सत्यभान, सत्यभान पुत्र राधेलाल और पिंकी पत्नी सत्यभान निवासी गुलरिया, थाना जहानगंज, जिला फरुर्खाबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

आदित्य भंडारी की घातक गेंदबाजी से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने बीएस अकादमी को 6 विकेट से हराया




वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब और बीएस अकादमी के बीच खेले गए क्रिकेट मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीएस अकादमी को 6 विकेट से पराजित किया। टीम की जीत में गेंदबाज आदित्य भंडारी की अहम भूमिका रही। उन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बीएस अकादमी ने निर्धारित पारी में 204 रन बनाए। टीम की ओर से हर्षित यादव ने 91 रन, यश ने 34 और राघव ने 29 रनों का योगदान दिया। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से आदित्य भंडारी ने चार विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की टीम ने 27 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से विराज सैनी ने 50 रन, नितिश ने 26, विराज बालियान ने 29 और दिव्यांश शर्मा ने 25 रन बनाए। शानदार गेंदबाजी के लिए आदित्य भंडारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

टिफिन लेकर दुकान जा रही बीकॉम छात्रा को पड़ोसियों ने पीटा, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र की संजयनगर कॉलोनी में टिफिन लेकर दुकान जा रही बीकॉम की छात्रा के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी ने अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर छात्रा को रास्ते में रोक लिया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। संजयनगर कॉलोनी निवासी योगेश कुमार की कॉलोनी में ही दुकान है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी प्रिंसी दुकान पर टिफिन लेकर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में पड़ोसी ने अपनी पत्नी के साथ उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने छात्रा के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

मुरादनगर में प्लास्टिक गोदाम बना आग का गोला, आठ घंटे तक जूझे दमकलकर्मी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मुरादनगर के रावली रोड स्थित जीवन अस्पताल के पास रविवार तड़के प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की सूचना 22 नवंबर को रात 12:33 बजे फायर स्टेशन मोदीनगर को मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी दो फायर टैंकरों के साथ मौके पर पहुंचे। खुले प्लॉट में बने बड़े प्लास्टिक गोदाम में आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग की गंभीरता को देखते


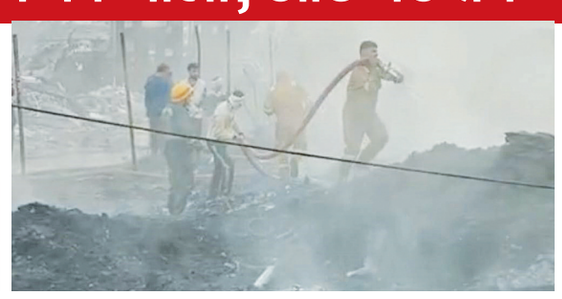


हुए वैशाली और कोतवाली फायर स्टेशन से दो वाटर बाउजर और एक फायर टैंकर बुलाया गया। इसके अलावा ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मुरादनगर से भी फायर टैंकर ने पहुंचकर आग बुझाने में सहयोग किया। दमकलकर्मियों ने करीब आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। समय रहते आग को आसपास फैलने से रोक लिया गया और गोदाम में रखा शेष माल सुरक्षित बचा लिया गया। अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई, जबकि एक टाटा छोटा हाथी वाहन जल गया। मौके पर स्थानीय पुलिस और गोदाम मालिक सोनू मलिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर नंदग्राम से निकला भव्य नगर कीर्तन, जगह-जगह हुआ स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। श्री गुरु नानक देव जी के 557 वे प्रकाश पर्व के उपलक्ष में आज गुरुद्वारा साहिब नंदग्राम से एक नगर कीर्तन आरंभ हुआ नगर कीर्तन पांच प्यारों के नेतृत्व में एवं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की छत्र छाया हेत निकाला गया नगर कीर्तन में श्री गुरु नानक गर्ल्स इंटर कॉलेज का बैंड , कॉलेज बैंड के बच्चों ने बैंड के माध्यम से लोगों का मन मोह लिया बैंड लोगों का आकर्षण का केंद्र भी रहा गतका टीम श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का सम्मान करते हुए झाड़ू जत्था पूरी सड़क पर झाड़ू लगाने का कार्य कर रहा था पालकी साहब के आगे पंच प्यारे चल रहे थे नंद ग्राम गुरुद्वारा साहिब के अध्यक्ष चेयरमैंन ज्ञानी प्रीतम सिंह जी अध्यक्ष अवतार सिंह आनंद सचिव कुलवंत सिंह जसवंत सिंह नगर कीर्तन में गाजियाबाद सिख



गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह अपने कार्यकारिणी के कई सदस्यों के साथ नगर कीर्तन में हिस्सा लिया जिसमें मुख्यतः तेजपाल सिंह बंटू जगतार सिंह भट्टी अमरजीत सिंह कालिंग महेंद्र सिंह कोहली रमनदीप सिंह वालिया आदि प्रमुख थे मनजीत सिंह के नेतृत्व में पांच प्यारों का शॉल व ड्राई फ्रूट के पैकेट देकर स्वागत किया गया पालकी साहब के आगे नतमस्तक होकर गुरु से आशीर्वाद लिया नगर कीर्तन में दसों गुरुओं की तस्वीर के साथ नगर कीर्तन आरंभ हुआ नंदग्राम से चलकर मेरठ रोड से होते हुए शिवबनपुरा गुरुद्वारा साहिब मुकद्दर नगर से होते हुए हापुर रोड गुरुद्वारा साहिब जगदीश नगर गुरुद्वारा साहिब गुरुद्वारा साहिब लाल क्वार्टर पर जाकर समाप्त हुआ जगह-जगह बीच में प्रसाद वितरण करने की स्टाल लगाए गए थे गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की खुशी में चारों तरफ अच्छा मिलनसार खुशियों से भरा माहौल रहा वॉकी टॉकी से नगर कीर्तन को संचालित किया गया नगर कीर्तन का जगह-जगह पर स्वागत किया गया चारों तरफ खुशियों भरा माहौल था मनजीत सिंह ने कहा गुरु नानक देव जी ने हमें संदेश दिया एक ओंकार परमात्मा एक है गुरु नानक देव जी ने कहा किरत करो नाम जपो और बांट कर खाओ श्री गुरु नानक देव जी ने 35000 किलोमीटर की पदयात्रा की लोग जो कर्मकांड और भ्रम में पड़े थे उनसे सचेत किया जागरूक किया गुरु साहब परमात्मा के रूप थे पूरा हिंदुस्तान ही नहीं बहुत से मुल्कों का गुरु नानक देव जी ने दौरा किया और लोगों को समझाया उसे परमात्मा की नजरों में सब बराबर है कोई बड़ा छोटा नहीं है परमात्मा से शक्ति लेकर परमात्मा के विचारों को धरती पर उतरने का काम गुरु नानक देव जी ने किया आज उनके प्रकाश पर्व पर निकलेंगे नगर कीर्तन की बधाई देते हैं सभी गुरुद्वारा साहिब जहां-जहां नगर कीर्तन पहुंचा रविंदरजीत सिंह सग्गू शिबबनपुरा गुरुद्वारा साहिब जसविंदर सिंह सनी प्रधान गुरुद्वारा साहिब हापुर रोड अजीत सिंह नंदा गुरुद्वारा साहिब जगदीश नगर और समाप्ति गुरुद्वारा साहिब लाल क्वार्टर प्रधान सरनजीत सिंह आनंद कमेटी के अन्य सदस्य गण हरबंस सिंह मीत प्रधान अवतार सिंह कैशियर स्वर्ण सिंह कुलविंदर सिंह हरदेव सिंह संधू हरविंदर सिंह प्रीतम सिंह जसवीर सिंह भगत सिंह हरजीत सिंह भूपेंद्र सिंह और मिल सिंह तेजवीर सिंह बलबीर सिंह प्रभात सिंह पुरुषोत्तम सिंह प्रभात सिंह गुरदीप सिंह लकी उपस्थित थे।

रक्तदान कर 50 से अधिक लोगों ने पेश की मानवता की मिसाल, निलाया ग्रीन्स में लगा विशाल शिविर

विनीत त्यागी ने किया उद्घाटन, युवाओं से जरूरतमंदों को जीवनदान देने के लिए रक्तदान की अपील




वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मोरटा स्थित निलाया ग्रीन्स सोसायटी के क्लब हाउस में गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निलाया युवा मंच की ओर से विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उद्घाटन समाजसेवी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विनीत त्यागी ने किया। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया, जबकि दर्जनों लोगों ने हीमोग्लोबिन और रक्त समूह की जांच कराई।



विनीत त्यागी ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। रक्त का हर कण अनमोल है, इसलिए स्वस्थ युवाओं को इस पुनीत कार्य में आगे आना चाहिए। लाइफ लाइन चैरिटेबल ब्लड बैंक की मेडिकल टीम ने डॉ. एचएल शर्मा के निर्देशन में रक्त संग्रह और स्वास्थ्य जांच की। शिविर में आशीष और सतीश सिंह कमांडो ने सबसे पहले रक्तदान किया। आयोजन में सोनू चोपड़ा सहित निलाया युवा मंच के सदस्यों और वरिष्ठ नागरिक मंच के पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।